RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ.. सच

# माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com


**सुविचार**

अगर आप किसी की मदद कर रहे हैं, और बदले में कुछ पाने की उम्मीद कर रहे हैं, तो आप दया नहीं बल्कि व्यापार कर रहे है।

बी.के. शिवानी


वर्ष-05, अंक - 41 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 13 जुलाई 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए


# चोरी कबूलवाने के लिए पुलिस ने दलित युवक को उल्टा टांग कर मारा, अधमरा कर पुलिस ने पैसे लेकर घर छोड़ा

## पीड़ित परिवार घायल को लेकर चौकी पहुँचे, खुले आम पुलिस पर रिश्वत सहित गंभीर आरोप लगाए

## कार्यवाही के डर से रात भर गूंज की खबर डिलीट करने की चलती रही मशक्कत, बात नहीं बनी तो पीड़ित परिवार पर दबाव बना निपटारे का प्रयास

गूंज के कैमरे पर पीड़ित के परिजन चोट के निशान दिखाते हुए।

करवड़ चौकी पर पदस्थ हेड कांस्ट्रेबल 14 हजार लेकर राजेश गेहलोत खुद अपने इस निजी वाहन में पीड़ित को घर छोड़ कर आए।

**माही की गूंज, पेटलावद/करवड़।**

मध्यप्रदेश सरकार के एसटी एसी वर्ग हितेषी सरकार होने का दावा एक खोखला नजर आता हुआ दिखाई दे रहा है। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से इस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही, जिससे सरकार पर सवाल खड़े हो रहे है।

झाबुआ जिले में एक बार फिर पुलिस का अमानवीय चेहरा सामने आया है यहां पेटलावद थाना क्षेत्र की करवड़ चौकी पर एक दलित युवक को चोरी का आरोप कबूलने के लिए अमानवीय तरीके से उल्टा टांग कर मारपीट की गई, पुलिस ने इस दलित युवक पर चोरी की वारदात कबूलने और किसी दूसरे व्यक्ति का नाम बताने का दबाव बनाया। युवक द्वारा चोरी नही कबूलने के बाद पुलिस ने युवक को अधमरी हालत में करवड़ चौकी का हेड कांस्ट्रेबल अपने निजी वाहन से घर छोड़कर आया जिसके लिए चौदह हजार की वसूली की गई। परिवार का आरोप है कि, करवड़ चौकी प्रभारी रूखमणी अहिरवार के इशारे पर जबरन झूठे आरोप में युवक को फसाने की कोशिश की गई।

### राधा-कृष्ण मंदिर पर हुई चोरी, खुलासे के लिए परेशान पुलिस

विगत दिनों करडावद राधा-कृष्ण मंदिर पर हुई चोरी और मूर्ति खंडित करने के मामले में पेटलावद थाना क्षेत्र की पुलिस परेशान हो रही थी। सीसीटीवी में कैद हुई चोरों की पहचान के चक्कर मे पुलिस करवड़ चौकी क्षेत्र के ग्राम सुल्तानपुरा निवासी बंटू पिता हरीश हिरोत को पेटलावद थाना प्रभारी और करवड़ चौकी प्रभारी रूखमणि अहिरवार ने पुलिस बल के साथ शुक्रवार देर रात 12 बजे घर का दरवाजा रिश्तेदार बताकर खुलवाया ओर पूरे परिवार को कब्जे में लेकर पूरे घर की तलाशी ली। फिर युवक बंटू को पुलिस अपने साथ चौकी ले आये जहा उसके साथ बुरी तरह मारपीट की गई। उसके बाद उसको सारंगी चौकी ले जाया गया जहाँ उसके साथ अमानवीय तरीके से मारपीट की गई। पुलिस जब युवक से चोरी नही कबुलवा सकी तो शनिवार रात को युवक को सारंगी चौकी से घर छोड़ा गया जिसके लिए पुलिस ने परिवार से पैसे लिए। सबसे बड़ी बात पुलिस ने मारपीट के बाद युवक को एक हेड कांस्ट्रेबल राजेश गेहलोत के निजी वाहन से उसके घर भेजा और उसका प्राथमिक इलाज तक नही करवाया ।

### चौकी पर चल रहा था विवाद, गूंज की टीम पहुँची तो पीड़ित और परिजनों ने बताई आप बीती

रविवार को सुबह पीड़ित के परिजन गम्भीर हालत में पीड़ित को लेकर चौकी करवड़ पहुँच गए जहाँ पुलिस द्वारा बिना किसी जुर्म के इस तरह से मारपीट करने वाली करवड़ ओर सारंगी पुलिस सहित थाना प्रभारी पेटलावद पर कार्यवाही की मांग कर रहे थे। जानकारी मिलने पर गुंज की टीम जब करवड़ चौकी पर पहुँची तो पीड़ित के परिजनों ने आप बीती सुनाई ओर किस तरह से पुलिस द्वारा ज्यादती की गई बताया। पीड़ित भी बमुश्किल बोल पा रहा है और उसने बताया कि, किस तरह से करवड़ ओर सारंगी पुलिस द्वारा बेदर्दी से मारपीट की, मामला बिगड़ता देख चौकी प्रभारी रूखमणी अहिरवार पहले ही चौकी से निकल चुकी थी।

### खबर डिलीट करने के लिए रात भर तक चलता रहा प्रयास, नहीं जमा मामला तो पीड़ित के परिवार पर बनाया दबाव

खबर गूंज के यूट्यूब चैनल पर प्रकाशित होने के बाद पेटलावद थाना सहित करवड़, सारंगी चौकी पर अधिकारियों की गाज गिरने की तैयारी हो चुकी थी। जिससे बचने के लिए पुलिस ने गूंज के प्रतिनिधि सहित गूंज कार्यालय तक रात भर खबर हटाने का दबाव बनाया। इस दौरान पुलिस के स्थानीय अधिकारी ये कहते रहे कि, पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि, खबर डिलीट होगी तो ही कार्यवाही से बच सकते हो। लेकिन सफलता नही मिलने पर पुलिस पीड़ित सहित पूरे परिवार को करवड़ चौकी पर लाकर मामले में समझौता करने का दबाव बनाया और अपने बचाव में पीड़ित के परिवार से अपने पक्ष में लेख पढ़ कर वीडियो बना लिए। इस दौरान कुछ पत्रकारों को भी बुलाकर पीड़ित का वीडियो देकर खबर प्रकाशित करने की कोशिश की लेकिन ज्यादातर पत्रकारों ने खबर का खंण्डन करने से मना कर दिया।

### पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, सीधी में पीड़ित के शपथ पत्र के बाद भी हुई कार्यवाही

पूरे मामले में पुलिस की भारी लापरवाही और ज्यादती सामने आ रही है। पुलिस महकमे की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे है, जो क्षेत्र में हो रही आपराधिक वारदातों को ट्रेस कर अपनी साख बचाने के लिए जबरन लोगो पर चोरी की वारदात मढ कर चोरी की वारदातों का खुलासा कर खुद की पीठ थपथपा लेती है। लेकिन उसकी पूरी हकीकत अलग होती है जो इस तरह से सामने आती है। सीधी कांड में पहले से सरकार घिरी हुई है ओर वहां पीड़ित के शपथ पत्र के बाद भी आरतोपी पर कार्यवाही कर उसके घर पर बुलडोजर चलाया गया। ऐसे में झाबुआ जिले में दलित युवक के साथ हुई बेहरमी से पिटाई के मामले में झाबुआ पुलिस ने कोई कार्यवाही जबाबदार पुलिस वालों पर नही की है। जिससे एक बार फिर शिवराज सरकार घिर सकती है। क्या सीधी मामले की तरह मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इस दलित युवक को न्याय दिलाने के लिए इसके भी पग पखारेंगे या ये महज मीडिया की सुर्खियों में आने के लिए एक दिखावा किया जाता है ।

चौकी पर पीड़ित की पत्नी चौकी प्रभारी ओर हेड कांस्ट्रेबल पर पैसे मांगने का आरोप लगाती हुई।

अधमरी हालत में चौकी करवड़ में सोया बंटी हिरोत।

## 'सीधी पेशाब कांड' : विधानसभा में हुआ जमकर हंगामा

**भोपाल।** मध्य प्रदेश विधानसभा सीधी में पेशाब घटना को लेकर आदिवासियों पर कथित अत्याचार और अन्य मुद्दों पर विपक्ष के हंगामे के बाद बुधवार को तय समय से तीन दिन पहले अनिश्चित काल के लिए (बिना किसी तारीख के) स्थगित कर दी गई। सीधी पेशाब कांड आदिवासियों पर कथित अत्याचार महाकाल लोक निर्माण में भ्रष्टाचार और सतपुड़ा भवन अग्निकांड पर चर्चा की मांग करते हुए कांग्रेस सदस्य सदन के बीचोंबीच आ गए और भाजपा सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

कांग्रेस का आरोप है कि, आरोपी प्रवेश शुक्ला भाजपा का सदस्य है। कुछ कांग्रेस सदस्य अपने द्वारा उठाए गए मुद्दों पर चर्चा कराने की मांग करते हुए सदन के वेल में बैठ गए। हंगामे के बीच अध्यक्ष गिरीश गौतम ने अनुपूरक बजट सहित सदन का सूचीबद्ध कामकाज उठाया, जिसे बिना किसी चर्चा के ध्वनि मत से पारित कर दिया गया।

बाद में एमपी के संसदीय कार्य मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने का प्रस्ताव रखा। इसके बाद स्पीकर ने विधानसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी। यह विधानसभा का आखिरी सत्र था क्योंकि इस वर्ष के अंत में मप्र में विधानसभा चुनाव होने हैं।

## राहुल गांधी को मिला अब नया ठिकाना

**नई दिल्ली।** मानहानि केस में सजायाफ्ता होने के कारण कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सदस्यता चली गई थी। इसके बाद उन्हें मिला सरकारी आवास भी खाली करा लिया गया था। वह अपनी मां के साथ नई दिल्ली में 10 जनपथ वाले बंगले में रहने लगे थे। अब खबर आ रही है कि वह दक्षिणी दिल्ली को अपना नया ठिकाना बना सकते हैं। उनके निजामुद्दीन ईस्ट बी2 इलाके में शिफ्ट होने की संभावना है। राहुल गांधी जिस तीन बीएचके वाले मकान में रहेंगे वह दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के परिवार का है। शीला दिक्षित ने अपने जीवन के आखिरी वर्ष इसी घर में बिताए थे। वह 1991 से 1998 तक इस घर में रहीं। 2015 के बाद वह फिर उसी फ्लैट में शिफ्ट हो गईं।

हाल ही में उनके बेटे संदीप दीक्षित ने एक अनौपचारिक नोटिस जारी कर अपने परिचितों को उसी इलाके में अपना निवास स्थान ए5 में शिफ्ट करने की सूचना दी।

राहुल गांधी को 2019 के मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद इस साल मार्च में लोकसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने 22 अप्रैल 2023 को अपना आधिकारिक बंगला खाली कर दिया। वह अस्थायी रूप से अपनी मां सोनिया गांधी के साथ चले गए।दिल्ली समेत देशभर से सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं ने राहुल गांधी को रहने के लिए अपने घर देने की पेशकश की थी।

## एसडीएम की करतूत ने फिर शर्मशार किया झाबुआ जिले को, हॉस्टल निरीक्षण के बहाने छात्राओं से की अश्लील हरकत

**माही की गूंज, झाबुआ।**

एसडीएम सुनील कुमार झा की अश्लील हरकत से एक बार फिर झाबुआ जिला प्रदेश नहीं अपितु देशभर में सुर्खियों में आ खड़ा हुआ है। कहने को मध्यप्रदेश के पश्चिमी छोर पर बसे इस आदिवासी बाहुल जिले को लेकर सरकार कई तरह से कल्याण करने की कोशिश करने में लगी हुई है। मगर यहां आने वाले अफसर इस जिले को बट्टा लगाने से बाज नहीं आ रहे है। पिछले कुछ महीनों से लगातार जिला सुर्खियों में बना हुआ है। अधिकारियों के भ्रष्टाचार की कहानियों से अखबार के पन्ने भरे पड़े है। ऐसा भी नहीं है कि, इनका विरोध नहीं होता। कई बार राजनीतिक पार्टियों से जुड़े जिले के आला पदाधिकारी अधिकारियों की शिकायत को लेकर मुखर रहे है। जिसके परिणाम कई आकिारियों के तबादलों के रूप में सामने भी आए है। अब सवाल यह है कि, सरकार का तंत्र इस हद तक गिर गया है की वह नाबालिग स्कूली छात्राओं को अपना निशाना बना रहा है। इधर एसडीएम सुनील कुमार झा की बात करें तो यह कोई पहला मौका नहीं है जब वे सुर्खियों में आए है। अभी कुछ दिनों पहले ही अवैध रेत परिवहन के मामले में एसडीएम पर आलीराजपुर जिले के एक भाजपा नेता भदु पचाया ने दलाल के जरिए लाखों रुपये की अवैध वसूली के आरोप लगाए थे। इस मामले में भी झा लंबे समय तक सुर्खियों में रहे थे। इस अवैध वसूली मामले ने अवैध उतखनन और माफिया राज से जुड़े कई चौकाने वाले खुलासे सामने लाकर खड़े कर दिए थे। माही की गूंज ने इस मुद्दे को बेबाकी से उठाया था माफियाओं के भोपाली कनेक्शन तक को उजागर किया था।

ताजें मामले में एसडीएम सुनील कुमार झा 9 जुलाई रविवार को दोपहर बाद हॉस्टल निरीक्षण के लिए निकले थे। इस दौरान उन्होने रास्ते में ही नवीन आदिवासी कन्या आश्रम का निरीक्षण करने के लिए अपना वाहन रोक दिया। इस दौरान उन्होने आश्रम परिसर में खेल रही बालिकाओं से चर्चा की और हॉस्टल का निरीक्षण करने की बात कही। इस हॉस्टल में 6टी से 8वीं तक की 50 आदिवासी छात्राएं रहती है। छात्राओं के एकत्रित होने के बाद वे छात्राओं के साथ अंदर चले गए। निरीक्षण के दौरा एसडीएम ने पहले अधिक्षिका को बाहर कर दिया और पांच नंबर के रूम में पहुंच गए। यहां छात्राओं से बातचीत करते हुए सवाल - जवाब के दौरान बेडटच किया। एक छात्रा को बेडटच करते हुए अपने साथ पलंग पर बैठाया और एसडीएम ने बदनियति से बालिका की कमर को हाथ लगाया। एसडीएम सुनील झा के यहां से रवाना होते ही छात्राओं ने पूरी घटना हॉस्टल अधीक्षिका को बताई। अधिक्षिका ने सहायक आयुक्त निशा मेहरा को इसकी जानकारी दी। सहायक आयुक्त ने कलेक्टर तन्वी हुड्डा को इस बारे में अवगत कराया। क्योंकि मामला गंभीर था तो कलेक्टर ने तत्काल एफआईआर दर्ज कराने के आदेश दे दिए। कलेक्टर ने सहायक आयुक्त को तत्काल आश्रम भेजा और छात्राओं से चर्चा करने को कहा। सोमवार की रात कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निलबंल की अनुशंसा आयुक्त को भेज दी। अनुशंसा पर सुनील कुमार झा को निलंबित कर दिया गया। निलंबन के आदेश के बाद थाने पर मामले की शिकायत दर्ज की गई। सोमवार रात को ही पीड़ित छात्राओं के बयान दर्ज किए गए। मंगलवार सुबह एफआईआर दर्ज हुई। सुबह सात बजे पुलिस सुनील झा के बंगले पर पहुंची और उन्हे लेकर कालीदेवी थाने पहुंच गई। यहां से सुबह साढे 11 बजे कालीदेवी से उन्हे न्यायालय में पेश किया गया। जिसके बाद उनका मेडिकल करवाकर जेल भेज दिया गया। फिलहाल एसडीएम सुनील कुमार झा के निलंबन के बाद कलेक्टर तन्वी हुड्डा ने झाबुआ एसडीएम का प्रभार डिप्टी कलेक्टर हरिशंकर विश्वकर्मा को दिया है। उन्हे तत्काल पदभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए है।

पिछले कुछ समय में जिले में अधिकारियों के ताबड़तोड़ तबादले किए गए जिनमें कलेक्टरों को भ्रष्टाचार तो एक पुलिस अधीक्षक को अशोभनीय भाषा के लिए हटाया गया था। यहां भी पूर्व पुलिस अधीक्षक अरविंद तिवारी द्वारा आदिवासी छात्रों से अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल किए जाने पर मुख्यमंत्री से सख्त कदम उठाते हुए रवानगी दिलवाई थी।

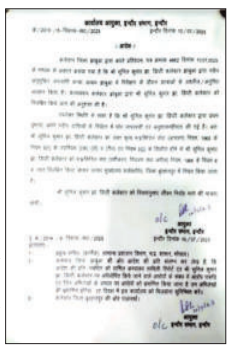

वर्तमान में सुनील झा के मामले में राजनीतिक पार्टियों ने भी एसडीएम की इस हरकत को शर्मशार करने वाला बताया। सोशल मीडिया पर हो रही चर्चाओं को अगर सामने रखें तो यह मामला राजनीतिक षडयंत्र भी बताया जा रहा है। हालांकि इस मामले में खुलकर कोई बात राजनीतिक दखल की नही की जा रही है। इधर मंगलवार को एसडीएम सुनील झा के खिलाफ शासकीय सेवा से बर्खास्त करने की मांग का ज्ञापन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अपर कलेक्टर को दिया। कांग्रेस ने भी अपनी तीखी प्रतिक्रिया इस मामले पर दी।

इस पुरे मामले में कलेक्टर तन्वी हुड्डा और पुलिस अधीक्षक अगम जैन की सराहनीय भूमिका में नजर आए। कलेक्टर और एसपी ने इस पूरे मामले में सभी कार्रवाई की जो जरूरी थी। जिस तरह से इस मामले को कलेक्टर, एसपी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तत्परता से निपटाया है। यह सराहनीय तो है, लेकिन अब उम्मीद कुछ ज्यादा है और आमजन व पीड़ित यह उम्मीद लगाए बैठे है कि, अन्य मामलों में भी कलेक्टर, एसपी इस तरह की तत्परता दिखाए।

## चुनाव से पहले शिवराज का एक और दांव

**भोपाल।** विधानसभा चुनाव से पहले मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान ने महिलाओं के बाद पंचायत प्रतिनिधियों के लिए सौगात का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, जिला पंचायत, जनपद पंचायत के अध्यक्षों, उपाध्यक्षों, उप सरपंच, पंच आदि के मानदेय में लगभग तीन गुना वृद्धि की जा रही है। इसके साथ ही वाहन भत्ता भी बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि निर्विरोध चुनी गई 705 पंचायतों को 55 करोड़ 20 लाख रुपए की राशि जारी कर दी गई है।

जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा उप सरपंच एवं पंच के मानदेय में लगभग 3 गुना वृद्धि की जाएगी। जिला पंचायत अध्यक्ष का मानदेय 11 हजार 100 रुपए से बढ़ाकर 35 हजार रुपए और वाहन भत्ता 43 हजार से बढ़ाकर 65 हजार रुपए किया जाएगा। अब जिला पंचायत अध्यक्ष को 54 हजार 100 रुपए प्रतिमाह के स्थान पर एक लाख रुपए प्रतिमाह मानदेय, वाहन भत्ता सहित मिलेगा। जिला पंचायत उपाध्यक्ष का मानदेय 9 हजार 500 रुपए से बढ़ाकर 28 हजार 500 रुपए और वाहन भत्ता 9 हजार से बढ़ाकर 13 हजार 500 रुपए किया जा रहा है। अब जिला पंचायत उपाध्यक्ष को 18 हजार 500 रुपए प्रतिमाह के स्थान पर 42 हजार रुपए प्रतिमाह मानदेय वाहन भत्ता सहित मिलेगा। जनपद पंचायत अध्यक्ष का मानदेय 6 हजार 500 रुपए से बढ़ाकर 19 हजार 500 रुपए प्रतिमाह किया जा रहा है। जनपद पंचायत उपाध्यक्ष का मानदेय 4 हजार 500 रुपए से बढ़ाकर 13 हजार 500 रुपए प्रतिमाह किया जा रहा है। सरपंच का मानदेय 1 हजार 750 रुपए प्रतिमाह से बढ़ाकर 4 हजार 250 रुपए प्रतिमाह किया गया है। उप सरपंच और पंच को 600 रुपए वार्षिक मानदेय मिलता है, जिसे 3 गुना बढ़ाकर एक हजार 800 रुपए किया जा रहा है।

## हवाई यात्रा पर भाजपा सरकार ने कितना खर्च किया...?

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में इसी वर्ष के अंत तक विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव से पहले अभी विधानसभा का मॉनसून सत्र चल रहा है। इस सत्र के दौरान राज्य सरकार ने जानकारी दी है कि सरकार ने गुजरे साढ़े चार महीनों में 12.74 करोड़ रुपए प्लेन और हेलिकॉप्टरों को किराए पर लेने में खर्च किया है। यह जानकारी खुद राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दी है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विधानसभा के सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक मेवाराम जाटव के द्वारा पूछे गए एक जवाब में लिखित तौर से इस बात की जानकारी दी है।

कांग्रेस विधायक ने पूछा था कि मुख्यमंत्री, उनके मंत्री और सरकारी अधिकारियों ने इस साल 1 फरवरी से लेकर 15 जून तक हवाई यात्रा पर कितना खर्च किया है। इसपर एक लिखित जवाब में सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इस समय अवधि के दौरान 12.74 करोड़ रुपए विमान और चॉपर को हायर करने में खर्च किये गये।

सीएम ने जानकारी देते हुए बताया कि, चॉपर और प्लेन राज्य सरकार से जुड़े फर्म से लिए गए थे। यह हेलिकॉप्टर जरूरत और उपलब्धता के आधार पर लिए गए थे। इस समय अवधि के दौरान 127.5 घंटे सरकारी हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल किया गया। इसके साथ ही साथ प्राइवेट चॉपर 123.28 घंटे के लिए इस्तेमाल किया गया और प्लेन का इस्तेमाल 168 घंटों के लिए किया गया।

# सूचना अधिकार से निकली जानकारी, सरकारी स्कूलों में रिजल्ट सुधारने की फर्जी कोशिशों का हुआ खुलासा

## कमजोर बच्चों की उपस्थित कम बताकर कर दिया जाता है प्राइवेट, शिकायत का नहीं हुआ अब तक कोई निराकरण, बच्चों के घर वालों को अनुपस्थिति की नहीं दी जाती जानकारी

**माही की गूंज, पेटलावद/बामनिया।**

सूचना अधिकार अधिनियम के तहत मिली जानकारी के बाद सरकारी स्कूलों में 10वी और 12वी के वार्षिक परिणाम सुधारने के लिए कमजोर बच्चों को प्राइवेट करने के फर्जीवाड़े का बड़ा खुलासा हुआ है। हालांकि ये खेल वर्षो से सरकारी स्कुलो में लगातार जारी है और बच्चों के परिजनों के द्वारा इस मामले में आवाज़ नही उठाने के कारण हकीकत सामने नही आई। मामला विकास खण्ड की शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बामनिया का है जहां एक बच्ची के प्राइवेट होने के बाद के आगे की पढ़ाई में आई परेशानी के बाद इस मामले की शिकायत खंण्ड शिक्षा अधिकारी पेटलावद को लिखित शिकायत की गई। जिस पर कोई कार्यवाही की गई। लड़की के पिता ने इस मामले में स्कूल से सूचना अधिकार के आवेदन के माध्यम से जानकारी मांगी गई। पहले तो स्कूल प्रशासन जानकारी देने में ना-नुकुर करता रहा और अपनी गलती के लिए लड़की के पिता से मौखिक माफी मांगकर मामला रफा-दफा करना पड़ा। लेकिन गूंज द्वारा मामला उठाने के बाद संस्था द्वारा जानकारी दी गई।

### सूचना अधिकार में हुआ बड़ा खुलासा, कमजोर बच्चों को योजनाबद्ध तरीके से किया गया प्राइवेट

स्कूल की 12 वी की पूर्व छात्रा के पिता महेश सिंगार ने सूचना अधिकार में जानकारी मांगी थी। जिससे पता लगा कि, शा.क.उ.मा.वि. बामनिया के प्राचार्य द्वारा वर्ष 2022-23 के 12 वी की कुल 24 छात्राओं को प्राइवेट किया गया। जिंसमे से मात्र 2 छात्राएं पास हुई, जबकि 3 को पूरक और 19 छात्राएं फेल हो गई। परिणाम से साफ होता है कि, संस्था द्वारा उन छात्राओं को ही कम उपस्थिति के नाम पर प्राइवेट किया गया जो पड़ने में कमजोर थी। सूचना अधिकार की जानकारी में सबसे बड़ा खुलासा ये हुआ की संस्था द्वारा कम उपस्थिति वाली छात्राओं के परिजनों को विधिवत एक भी सूचना पत्र नही भेजा गया। संस्था ने लिखित जानकारी देते हुऐ बताया कि, कम उपस्थित छात्राओं को ही संस्था में जानकारी दी गई कोई सूचना पत्र छात्राओं के पालकों को नही दिया गया।

### रिजल्ट नहीं बिगड़े इसलिए किया जाता है फर्जीवाड़ा, जांच हो तो हर बड़ी संस्था का होगा खुलासा

जिले की दसवीं ओर 12वी के परिणाम लगातार गिरता जा रहा है। सरकारी स्कूल अपने वार्षिक परिणाम सुधारने के लिए कमजोर छात्र-छात्राओ को कम उपस्थिती के नाम पर प्रायवेट किया जाता है, क्योंकि प्राइवेट हुए बच्चो के परिणाम स्कूल के वार्षिक परिणाम में नही जोड़ा जाता है। ये स्थिति सिर्फ बामनिया स्कूल की नही बल्कि विकास खण्ड सहित जिले भर की सरकारी संस्थाओं में ये खेल चल रहा है। फिलहाल इस मामले में महेश सिंगार की शिकायत पर कोई कार्यवाही नही हुई है ।

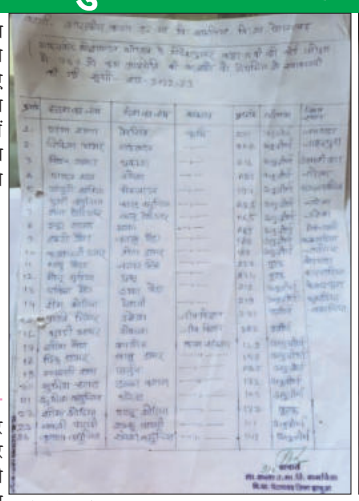

प्राइवेट हुई छात्राओ के परिणाम।

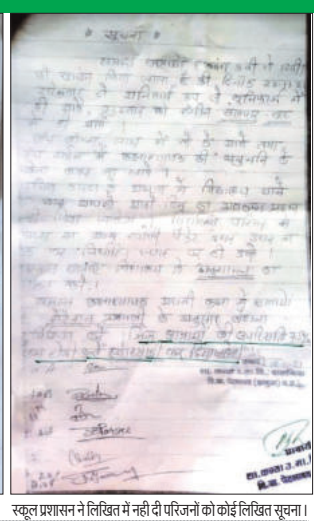

स्कूल प्रशासन ने लिखित में नही दी परिजनों को कोई लिखित सूचना।

# राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा जारी 3 री के पाठ्यक्रम में छोटे से गाँव के शिक्षक का रहा विशेष योगदान

## सरकार के अंकुर अभियान की तरह पुस्तक का किया गया निर्माण

**माही की गूंज, सारंगी।**

कहते है प्रतिभा किसी की मोहताज नही होतीं। अगर आप मे काबिलियत है तो आपको उचित स्थान पर पहचान मिलेगी, ऐसा ही कुछ कर दिखाया पेटलावद विकास खण्ड में स्थित छोटे से गांव सारंगी में पदस्थ माध्यमिक शिक्षक पंकज कुमार वैरागी (राज्य स्त्रोत विशेषज्ञ) ने। जिन्होंने सहयोगियों द्वारा मध्य प्रदेश के लगभग 59 हजार शासकीय प्राथमिक स्कूलों की कक्षा 3 के लिए इस सत्र में पढ़ाई जाने वाली अंकुर अभ्यास पुस्तिका एवं अंकुर टीचर गाइड का निर्माण किया है। गौरतलब है कि, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के महत्वपूर्ण दस्तावेज निपुण भारत में वर्णित बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (एफएलएन) के अंतर्गत मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मिशन अंकुर का शुभारंभ किया गया। मिशन के लक्ष्य को पाने के लिए कक्षा 1,2 तथा कक्षा 3 हेतु पाठ्यपुस्तक के अलावा अभ्यास पुस्तिका तथा टीचर गाइड का निर्माण किया गया है। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा पूरे मध्यप्रदेश के सभी प्राथमिक शिक्षकों को इसका प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण पुस्तिका का निर्माण भी शिक्षक वैरागी द्वारा किया गया है। शिक्षक वैरागी पूर्व में जिला स्तरीय, संभाग स्तरीय एवं राज्य स्तरीय प्रशिक्षण में हजारों शिक्षकों को प्रशिक्षित कर चुके हैं। शिक्षक वैरागी अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरुजन, माता-पिता, स्टॉफ साथियों के साथ-साथ विभागीय अधिकारियों को देते हैं जिन्होंने समय-समय पर अवसर उपलब्ध करवाएं।

# सीएम राईस स्कूल मेघनगर का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

**माही की गूंज, मेघनगर।**

नगर में जिले की कलेक्टर तन्वी हुड्डा द्वारा सीएम राइश शासकीय विद्यालय का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर द्वारा बच्चों से मौसम के दौरान बोई जाने वाली फसलों के पर्यायवाची शब्द और पढ़ाई के बारे में प्रश्न पूछे गए और बच्चों से अंग्रेजी मैं पुस्तक से वाचन करवाया गया और अंग्रेजी शब्दों की बारीक जानकारी बताई गई।

कलेक्टर द्वार स्कूल में पढ़ाने वाले शिक्षकों को समय पर कक्षा में उपस्थित होने को लेकर बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा देने को कहा। वहीं शिक्षक द्वारा कक्षा में उपस्थित नहीं होने पर सतीश पाटीदार का 1 दिन का वेतन काट दिया गयां। मेघनगर शासकीय स्कूल के प्राचार्य और शिक्षकों को स्कूल में आने वाले बच्चों को समय पर किताबे बांटने को वितरण करने को कहा। शासकीय स्कूल में शिक्षकों को अच्छी तरीके से बच्चों को पढ़ाने को कहां गया ताकि शासकीय स्कूल में आने वाले बच्चे अच्छे से अच्छे शिक्षा ग्रहण कर सके और स्कूल में आने वाले छोटे बच्चों को भी पढ़ाई में विशेष ध्यान रखें इस दौरान डिप्टी कलेक्टर मुकेश सोनी तहसीलदार सोनू गोयल नायाब तहसीलदार परवीन बानु बीईओ एवं सभी अधिकारी मौजूद रहे।

# लाखों रुपए के नवीन भवन के गुणवत्ता की खुली पोल

**माही की गूंज, जामली।**

पहले ही बारिश में नवीन भवन की गुणवत्ता की पोल खुलती दिखाई दे रही है। यह मामला है ग्राम जामली के शासकीय हाई स्कूल का जहां पर ठेकेदार द्वारा बनाए जा रहे 3 से 4 वर्ष होने को है, भवन का अभी भी स्कूल प्रशासन को हैंड ओवर नहीं हो पाया। जिसकी वजह से बारिश के दिनों में जगह-जगह जलभराव देखने को मिल रहा है। बारिश की शुरुआत में ही अभी से ही यह हाल है, तो आने वाले समय में क्या होगा ठेकेदार द्वारा किस तरह की गुणवंता का काम किया गया, यह देखने के लायक है। भवन में क्या-क्या कमियां है जिसको लेकर प्राचार्य मुकेश पाटीदार अपने सभी शिक्षकों द्वारा तीन से चार दिन पहले अवलोकन किया गया। जहां पर विभिन्न कमियां देखने को मिली उसके पश्चात प्राचार्य पाटीदार द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी को अवगत कराने के लिए एक लेटर भी बनाया गया जो जिला शिक्षा अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।

जिसमें कई तरह की कमिया सामने आ रही है, जैसे मेन गेट पर बच्चों के प्रवेश के लिए जो पेडिया बनाई गई है वह उची ज्यादा है व एक पेडी केवल 3 फीट की ही है। आसपास फर्श में गड्ढा रहने से पानी भरा रहता है, पानी का निकासी ढलान सही नहीं है कमरों में लाइट फिटिंग में बटन की जगह खाली रहने से पूर्णता बंद करना आवश्यक है, ताकि कोई अनहोनी घटना नहीं हो। लेट बाथ के कमरों में फर्श सफाई नहीं, पानी की नलिया ओपन होने से टूट-फूट का खतरा बना रहेगा। नालियों की स्लिप से दीवार पर फिटिंग करवाना आवश्यक है एंव छत पर पानी भरा होना। दूसरा दीवारों में अभी सही पुट्टी का तड़क जाना और प्लास्टर निकालना और कई जगह ऐसी है जहां पर छत पर सीलन आना शुरू हो गई है। अध्ययन कक्षा में ब्लैक बोर्ड का निर्माण नहीं किया गया, अब यह देखने वाली बात है कि, अधिकारी इसको लेकर कितने जिम्मेदार है और किस तरह की कार्रवाई करते हैं या फिर ठेकेदार और अधिकारी से मिलकर सांठ-गांठ कर मामले को रफा-दफा कर दें।

# आज से बहेगी धर्म की गंगा

**माही की गूंज, पेटलावद।**

आज से मां अहिल्या की पावन नगरी पेटलावद में बहेगी की धर्म की गंगा। श्री सोमनाथ शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है कथा का समापन 19 जुलाई को होगा। प्रतिदिन बामनिया रोड़ स्थित स्थानीय सुंदर गार्डन पर दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक कथा का आयोजन होगा। खास बात यह है कि, कथा का वाचन करने मालवा माटी में मां शारदा के वरद पुत्र पंडित श्री मनमोहन कश्यप (अग्निहोत्री) यहां आ रहे है। जिनके श्रीमुख से 7 दिनों तक धर्म की गंगा बहेगी। कथा की शुरुवात में भव्य कलश यात्रा आज 13 जुलाई को सुबह 8 बजे निलकंठेश्वर महादेव मंदिर से निकलेगी जो नगर के प्रमुख मार्गो से गुजरेगी। नगर भ्रमण के बाद कलश यात्रा सुंदर गार्डन पहुंचेगी। जहां विधि विधान से पूजा पाठ के बाद शिव महापुराण कथा प्रारंभ होगी। शिव महापुराण कथा की तैयारियां आयोजन समिति जोर शोरो से की गई। आयोजन में सबसे अहम भूमिका महिला मंडल निभा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार से भूतेश्वर महादेव फूटा मंदिर से महिला मंडल ने पीले चावल रख आमंत्रण देने की मुहिम शुरू कीथीं महिला मंडल ने घरों घर पैदल भ्रमण कर पीले चावल रखकर कथा में आने का आमंत्रण दिया।

# छात्र संगठन व्यवस्थाओं से नाराज, आये दिन महाविद्यालय की होती है तालाबंदी

**माही की गूंज, पेटलावद।**

एक बार फिर महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं ने कॉलेज प्रशासन के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए महाविद्यालय की तालाबंदी कर दी। महाविद्यालय के छात्र अव्यवस्थाओ से लगातार परेशान है जिनका कोई निराकरण आज तक नही हो पाया है। छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा समय-समय पर विद्यार्थियों की समस्या हेतु आप उच्चशिक्षा विभाग को समय-समय पर अवगत कराता आया है। किन्तु अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा 1 माह के भीतर शासकीय महावीर महाविद्यालय पेटलावद में जो ज्ञापन दिये उसका कोई परिणाम नहीं आया। वर्ष 2021-22 के विद्यार्थियों को प्रथम वर्ष में एक ही विषय में पूरक दे दी गई, पूरक परीक्षा देने के बाद भी परीक्षा परिणाम में सुधार नहीं हुआ और जो अंक पूर्व में दिये थे वही अंक वापिस अंकसूची में दर्शा दिये गये। जबकि हमारे द्वारा संबंधित विषय की परीक्षा देने पर भी संबंधित विषय के अंकों में किसी प्रकार का कोई परिवर्तन नही हुआ, इसके पश्चात् दूसरी बार पुनः परीक्षा देने के बाद भी वहीं पुराने अंक जो प्रथम वर्ष में दिये थे वापिस अंकसूची में दर्शा दिये गये जिससे हमारा परीक्षा परिणाम आज दिनांक तक जारी नहीं हुआ। संगठन की मांग है कि, विद्यार्थियों द्वारा 2 बार परीक्षा देने के बावजूद भी परीक्षा परिणाम घोषित नहीं होने से हम द्वितीय वर्ष की परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो पायेगे एवं परीक्षा से वंचित रह जायेगे और हमारे पूरे 2 वर्ष बर्बाद हो जायेगें। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा हम विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। एक ही विषय के अंकों को बार-बार विश्वविद्यालय भेज देते है, विश्वविद्यालय जाते है तो विश्वविद्यालय महाविद्यालय से अंकों के प्राप्त नहीं होने का बोल देते है, महाविद्यालय आते है तो महाविद्यालय विश्वविद्यालय का बोल कर अपना पल्ला झाड लेते है , इस कारण से हम गरीब ग्रामीण विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है । महोदय , विद्यार्थी दूर ग्रामीण क्षेत्रों से आते है , किन्तु महाविद्यालय के प्राचार्य हम विद्यार्थियों को परेशान कर रहे है और सुनवाई नहीं करते है, और अधिकांश रूप से अवकाश पर रहते है , महाविद्यालय में कोई भी उचित जवाब नहीं देता है। विद्यार्थी परिषद अंतिम चेतावनी देती है कि, एक सप्ताह में यदि परीक्षा परिणाम में सुधार नही किया जाता है तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद उग्र आन्दोलन करेगा।

# आखिर फिर लगा प्राइवेट संस्था का बोर्ड इस बार बदल कर लगाया गया

**माही की गूंज , पेटलावद।**

नगर में कई सरकारी भवनों ओर सार्वजनिक स्थानों पर निजी संस्थाओ द्वारा बोर्ड लगाने का मामला सामने आने के बाद नगर में इन संस्थाओं के प्रयासों का विरोध हो रहा है । नगर के श्रद्धांजलि चौक पर कुछ दिनों पूर्व संस्था के नाम के साथ यात्री प्रतिक्षालय लिखा गया था जिसका विरोध शोसल मीडिया होने के बाद नगर परिषद की भारी किरकिरी हुई जिसके बाद नगर परिषद ने रातों रात बोर्ड उतरवा लिया । बोर्ड उतरने के बाद संस्था नगर के अन्य हिस्सों में दूसरी संस्थाओं के बोर्ड का हवाला देकर एक बार फिर बोर्ड सार्वजनिक शासकीय यात्री प्रतिक्षालय पर बोर्ड में सुधार कर लगा दिया इस बार संस्था ने यात्री प्रतीक्षालय का अपना बताने की जगह सौजन्य लिख कर लगाया। नगर में अब इस बात को लेकर चर्चा है कि क्या नगर परिषद नगर की शासकीय सार्वजनिक भवनों को रंगाई पुताई के नाम पर सरकारी संपत्ति का नामकरण मनमाने ढंग से किया जा सकता है ।

## विभाग और स्थानीय नेताओं की लापरवाही से हो रही सरकार की किरकिरी

# सरकार की ट्रांसफर नीति पर उठ रहे सवाल, क्या आंख बंद कर के प्रभारी मंत्री ठोक रहे अनुशंसा के हस्ताक्षर

### पेटलावद विकासखंड में लापरवाही की हद, सेवानिवृत्त एक शिक्षक दो जगह तो बीएड के लिए रिलीव शिक्षक का भी कर दिया तबादला

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

*विधानसभा 2023 के चुनाव आते-आते सरकार की हालात खराब होती जा रही। कही संगठन में हलचल तो कही आदिवासी ओर दलित पर अत्याचार तो भाजपा के प्रशासन के बड़े अधिकारी पर दर्ज मामला भाजपा के लिए मुसीबत बने हुए है। इन सब के बीच भाजपा की परेशानीया कम होने का नाम नही ले रही। वर्तमान में चल रही ट्रांसफर नीति के प्रशासन और स्थानीय नेताओं के कारण भाजपा की भारी किरकिरी हो रही है । 7 जुलाई को जारी ट्रांसफर सूची में रिटायर्ड शिक्षक का नाम आने पर भारी हल्ला हुआ। जिससे भी सरकार के नुमाइंदों ने सबक नही लिया और एक ही शिक्षक के दो जगह तबादले कर दिए गए। जबकि एक अन्य शिक्षक जो फिलहाल बीएड के लिए रिलीव है उसका भी स्तान्तरण कर दिया गया।*

मामला नम्बर 1

### रिटायर्ड शिक्षक का हुआ स्तान्तरण

ट्रांसफर के खेल में मध्यप्रदेश सरकार स्थानीय नेताओं और अधिकारियों की लापरवाही की वजह से घिरती नजर आ रही है । यहां 7 जुलाई को जारी स्थान्तरित शिक्षकों की सूची आते ही स्थानीय प्रशासन और नेता हसी के पात्र बन गए। जब सूची में लगभग ढाई माह पूर्व रिटायर्ड हो चुके शिक्षक सज्जनसिंह डामर को बामनिया से पिटोल कर दिया गया। शिक्षक का नाम स्तान्तरण की सूची में शामिल मिला। मामला जैसे ही रिटायर्ड शिक्षक के पुत्र के संज्ञान में आया शिक्षक के पुत्र ने सोशल मीडिया पर स्तान्तरण के आदेश की कॉपी के साथ रिटायर्ड पिता के स्तान्तरण के लिए भाजपा सरकार और भाजपा नेताओं को बधाई दी। इस स्टेटस के बाद सोशल मीडिया पर इस ट्रांसफर की लेकर भाजपा की जम की खिल्ली उड़ाई गई ।

मामला नम्बर 2

### एक शिक्षक का दो जगह हुआ तबादला

पेटलवाद विकासखंड के संकुल केंद्र मठमठ अंतर्गत शासकीय प्राथमिक विद्यालय में पदस्थ रमेश वसुनिया का दो अलग-अलग आदेश के तहत अलग-अलग विकासखंड में हुआ प्रशासनिक ट्रांसफर। विगत दिनों शिक्षकों के प्रशासनिक व स्वेच्छिक स्थान्तरण को लेकर जिले के प्रभारी मंत्री इंदरसिंह परमार द्वारा भाजपा नेताओं द्वारा बनाई गईं, स्थानांतरण सूची का आनन-फानन में अनुमोदन कर दिया। 7 जुलाई को अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग द्वारा जारी आदेश क्रमांक 4551 में सरल क्रमांक 24 में अंकित रमेश वसुनिया का स्थानांतरण शासकीय प्राथमिक विद्यालय पोलारुण्डा से प्राथमिक विद्यालय सालेड़ा फ़लिया दोतड कर दिया। वही विभाग द्वारा दूसरे आदेश क्रमांक 4557 में सरल क्रमांक 10 में अंकित रमेश वसुनिया का प्रशासनिक स्थान्तरण शा. प्राथमिक विद्यालय पोलारुण्डा से शासकीय प्राथमिक विद्यालय हमीरफलिया हरिनगर विकास खण्ड थांदला में हुआ। अब शिक्षक रमेश वसुनिया असमंजस में कि, में किस स्कूल में जॉइन करे और अधिकारी शिक्षक की किस संस्था के लिए रिलीव करे।

मामला नम्बर 3

### स्वेच्छिक को प्रशासनिक बनाकर काटी जा रही चांदी, बीएड के लिए रिलीव शिक्षक का सीएम राइस खवासा के लिए हो चुका था चयन

सरकार ट्रांसफर नीति की आड़ में लेन-देन का खुला खेल चल रहा है। जिसका प्रमाण लगातार तबादला सूची में हो रही लापरवाही देखने में आ रही। पेटलावद विकास खण्ड में तीसरा मामला सामने आया है जहा शिक्षक शांतिलाल सिंगाड़ जो की हाई स्कूल झोसर में पदस्थ है उन्हे विभाग ने दो वर्ष के लिए बीएड करने के हेतु डाइट देवास के लिए रिलीव किया गया है ओर फिलहाल दूसरा वर्ष चल है। इस बीच विशिष्ठ विद्यालयों के लिए अयोजित विभागीय परीक्षा में उक्त शिक्षक सम्मिलित हुआ था और उनका चयन सीएम राईस थांदला किया गया था। संकूल प्राचार्य द्वारा शिक्षक का डाइट देवास में बीएड करने का हवाला देकर कार्य मुक्त करने से इन्कार कर दिया था। अब जादू देखिए कि, उक्त शिक्षक थांदला नही जाना चाहता था, तगड़ी सेटिंग के दम पर शांतिलाल सिंगाड का स्थानांतरण पुनः हाई स्कूल झौसर से उत्कृष्ट विद्यालय पेटलावद हो गया है अब देखना है संकूल प्राचार्य की इसमें क्या भुमिका हैं शिक्षक को उसकी मनचाही स्थान पर ज्वाइनिंग देगें या उसका पुर्व के आदेश उत्कृष्ट विद्यालय थांदला भेजेंगे। कुल मिलाकर ट्रांसफर की चासनी ले रहे है जिसके लिए सरकार और प्रभारी मंत्री तक साख दांव पर लगा दी गई।

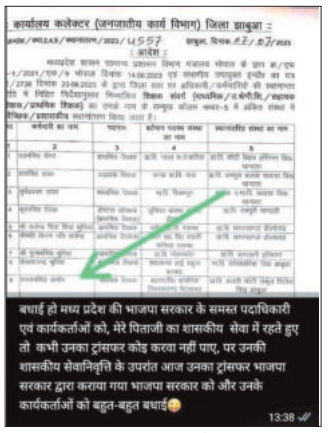

शिक्षक का ट्रांसफर आदेश।

### कार्यवाही होगी की लीपापोती

*एक के बाद एक तीन मामले पेटलावद विकास खण्ड में सामने आए है। यही ट्रांसफर आदेशो को बारीकी से जांच की जाए तो पेटलावद विकास खण्ड सहित अन्य विकास खंडों में ऐसे मामले सामने आएंगे। क्या सरकार में बैठे जिम्मेदार नेता इस लापरवाही के लिए जबाबदार स्थानीय नेताओं और जिले के अधिकारियों पर कार्यवाही करेगे या सब इस खेल में शामिल है ये देखना दिलचस्प होगा।*

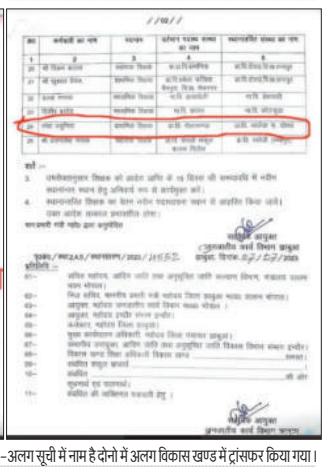
शिक्षक रमेश वसुनिया जिसके स्तान्तरण आदेश की दो अलग-अलग सूची में नाम है दोनो में अलग विकास खण्ड में ट्रांसफर किया गया।

# आस्था और विश्वास की डोर थामें बाबा के भक्त, अमरनाथजी यात्रा को रवाना

### दो दिन से रुकी यात्रा जल्द बहाल होने का भोलें भक्तों को है विश्वास

माही की गूंज, थांदला/झाबुआ।

पूरे भारत को एकता के सूत्र में बाँधनें वाली विश्व प्रसिद्ध एक मात्र अमरनाथजी यात्रा को लेकर भोलें भक्तों में अपार उत्साह रहता है। जैसे ही अमरनाथ साइन बोर्ड द्वारा यात्रा प्रारंभ होने की तिथि की घोषणा होती है वैसे ही उत्साहित भोलें भक्त यात्रा के लिए अपना स्थान सुरक्षित कर लेते है ऐसे में यात्रा में आने वाली बाधा भी उनके हौसलों को कम नही करती है।

वीगत दो दिनों से भारी बारिश व भू-स्खलन के चलते यात्रा रुकी हुई है, बावजूद इसके देश के तमाम हिस्सों से यात्रियों का जम्मू जाने का सिलसिला नही थम रहा है। झाबुआ ज़िलें से भी करीब 50 से ज्यादा यात्रियों का जत्था जम्मू तवी से रवाना हुआ। जिसमें भोलें भण्डारा परिवार के सदस्य भी शामिल है। उनका विश्वास है कि, बाबा भोलें भक्तों की थोड़ी परीक्षा तो लेते ही है, उन्हें विश्वास है जल्द ही दोनों मार्ग से यात्रा शुरू हो जाएगी व भोलें भक्त अपने बाबा के दर्शन कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि, भोलें भक्तों का विश्व के एक मात्र हिम शिवलिंग के दर्शनार्थ जाने के लिए महज जुलाई-अगस्त दो माह का ही समय रहता है, जो बालटाल व पहलगाम से दो मार्ग व पंचतरणी तक हवाई यात्रा से वे बाबा के दर्शन कर सकते है। इस दौरान यात्रियों की सेवा, सुरक्षा का जिम्मा देश की सरकार के जवान करते है, जिससे यह यात्रा धार्मिक यात्रा के साथ राष्ट्रीय एकता के रूप में भी जानी जाती है। ऐसी दुष्कर व कठिन यात्रा में सभी शामिल होनें वालें भाग्यशाली भोलें भक्तों के उत्साहवर्धन व शुभकामनाएं देने के लिए जब जीवदया अभियान के राष्ट्रीय संयोजक पवन नाहर, गौ भक्त आत्माराम शर्मा, भोलें भक्त प्रकाशचंद्र सोनी, उदारमना तुलसी मेहते, रोटरी क्लब अध्यक्ष चंदनबाला शर्मा, सुनील डाबी, दशरथ कट्ठा, रहीम शेरानी, भूपेंद्र बरमण्डलिया, चिन्टू बैरागी आदि ने मेघनगर स्टेशन पहुँचकर सभी भक्तों का पुष्पमालाओं से स्वागत कर मिठाई खिलाते हुए स्वस्थ्य किट प्रदान की। तब पूरा मेघनगर स्टेशन जय बाबा बर्फानी, बम- बम भतोलें के जयनादों के साथ धार्मिक स्थल में बदल गया।

# मप्र व छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय संगठन मंत्री ने किया भ्रमण

माही की गूंज, थांदला।

मप्र व छत्तीसगढ़ राज्य के भाजपा के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल सोमवार को थांदला पहुंचे। यहां पर उन्होंने नपाध्यक्ष श्रीमति लक्ष्मी सुनील पणदा के पीएम आवास योजना में बने घर पर पहुंचकर स्वल्पाहार किया। इस दौरान जिले के भाजपा पदाधिकारियों से संवाद कर जामवाल ने बूथ मजबूतीकरण को लेकर नेताओं को प्रेरित किया। भाजपा के जिलाध्यक्ष भानू भूरिया ने मंडल महामंत्री सुनील पणदा के बारे में संगठन मंत्री को जानकारी दी और बताया कि, उनका यह आवास पीएम आवास योजना में बनाया हुआ है। सुनील पणदा के व्यक्तित्व के बारे में बताते हुए नायक ने कहा कि, वह 20-25 वर्षों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर समाजसेवा के कार्य करते रहे है। साथ ही थांदला की जनता की आवाज पर उनकी पत्नी को नगर परिषद अध्यक्ष बनाया गया है। भाजपा द्वारा किए गए कार्यों को लेकर क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए अच्छे विकास कार्यों को करने के लिए शुभकामनाएं भी प्रेषित की। इस दौरान नपाध्यक्ष श्रीमति लक्ष्मी सुनील पणदा ने तिलक लगाकर घर आए सभी अतिथियों का स्वागत किया।

# अपने दायित्वों को नही निभा पा रही ग्राम पंचायत

माही की गूंज, खवासा।

ग्राम पंचायत खवासा द्वारा विगत मई और जून का जलकर न लेने का निर्णय लिया गया जिसको लेकर ग्राम में चर्चाओं का बाजार गर्म है। ग्राम पंचायत का यह निर्णय खुद की असफलता की स्वाकारोइक्त है इस निर्णय से ग्राम पंचायत ने यह साबित कर दिया है कि, वो गर्मी में ग्रामवासियों को पेयजल उपलब्ध कराने में असमर्थ हैं और इस असमर्थता की स्थिति में सरकार को चाहिए कि, वो अन्य कोई वैकल्पिक निर्णय लें क्योंकि पेयजल और स्वच्छता का विषय स्थानीय प्रशासन का है और स्थानीय प्रशासन इसमें असमर्थ है तो वरिष्ठ कार्यालय को इसमें हस्तक्षेप करना चाहिए।

प्रदेश की सरकार में लगभग 20 वर्षों से काबीज भाजपा की सरकार के द्वारा भाजपा समर्थित ग्राम पंचायत के माध्यम से 20 वर्षों में भी खवासा (जो कि थांदला विधानसभा का सबसे बड़ा गांव हे) में पेयजल उपलब्ध न करा पाना स्थानीय पंचायत के साथ प्रदेश सरकार की भी बड़ी विफलता है। इसके लिए प्रदेश के साथ ही जिला स्तरीय जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को आम जनता को जवाब देना चाहिए। न की कर माफी जैसे निर्णय लेने चाहिए। क्योंकि कर न लेना किसी समस्या का समाधान नहीं है, यही नहीं आम जनता तो टैक्स दे रही है और देना भी चाहती है लेकिन बदले में उन्हें आधारभूत सुविधाएं चाहिए और वो आधारभूत सुविधाएं ग्राम पंचायत देने में विफल रही।

### जनप्रतिनिधि की शपथ का भी उल्लंघन

निर्वाचित जनप्रतिनिधि द्वारा जनता की सेवा करने की शपथ ली जाती हैं। संविधान द्वारा प्रदान हितों की रक्षा करने का दायित्व भी शासन और प्रशासन का रहता है और मूलभूत सुविधा उपलब्ध करने का दायित्व स्थानीय शासन का रहता है। ऐसे में स्थानीय शासन आम जनता को पेयजल उपलब्ध कराने में नाकाम रहा है, जबकि हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और प्रधानमंत्री लाल किले की प्राचीन से घर-घर नल द्वारा जल पहुंचाने का दावा कर रहे हे ऐसे में ग्राम पंचायत खवासा का कृत्य प्रधानमंत्री के दावों की भी पोल खोलता नजर आ रहा है और जनता की सेवा के लिए चुने हुए। जनप्रतिनिधियों की शपथ का भी मखौल उड़ा रहा है एक शासकीय कर्मचारी अगर अपने कार्यों में लापरवाही बरतता है तो उस पर निलंबन और बर्खास्तगी जैसी कार्यवाही की जाती है लेकिन अगर जनप्रतिनिधि अपने कार्यों में लापरवाही करता है तो उस पर कोई कार्यवाही नहीं ऐसा दोहरा मापदंड क्यों...?

### आखिर कब होगा खवासा की जल समस्या का हल

गत वर्ष चुनाव के समय चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों ने जनता से बड़े-बड़े वादे किए थे माही और नर्मदा तक का जल लाने के सपने दिखाए गए थे लेकिन 1 वर्ष बीत जाने के बाद भी समस्या में कमी नहीं बल्कि वृद्धि ही हुई है। यही नहीं ग्रीष्म ऋतु के प्रारंभ में जनप्रतिनिधियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से धरने प्रदर्शन की चेतावनी भी दी थी लेकिन न धरना प्रदर्शन हुआ और न ही जल समस्या का कोई समाधान। जुलाई माह के द्वितीय सप्ताह में भी आम जनता को जल समस्या का समाधान नहीं मिला है और अभी भी निजी टैंकरों के हवाले खवासा की पेयजल आपूर्ति हो रही है।

### अनुपातिक जल कर लें

मई और जून में पेयजल वितरण न होने के कारण जलकर वसूली स्थगित की गई है लेकिन खवासा में तो बारहमासी जल संकट रहता है। पंचायत जलकर मासिक लेती है जबकि आम दिनों में भी खवासा में 8 से 10 दिन में एक बार जल वितरण होता है। अगर मई-जून के माफ करें तो अन्य माह में भी अनुपातिक पैसे ही लिए जाना चाहिए। महीने में तीन से चार बार जल वितरण होता है और पैसे पूरे महीने के मान से लिए जाते हैं। ऐसे में पंचायत को अन्य माह में कितने दिन पेयजल वितरण हो उतने ही दिन के पैसे ले जाना चाहिए। यही नहीं अन्य किसी कार्य को भी अगर पंचायत नहीं कर पाती है तो उसका हर्जाना भी पंचायत को चुकाना चाहिए।

# भगवान भोलेनाथ का आकर्षक श्रृंगार

माही की गूंज, थांदला।

श्रावण के प्रथम सोमवार पर अल सुबह से देर शाम तक शिवालयों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। प्रातः जलाभिषेक करने हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। सायं के समय भी दर्शन हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिवालयों में पहुंचे। नगर के श्री बड़ा गणेश मंदिर, श्री तेजाजी मंदिर ,घोड़ाकुंड महादेव मंदिर रामेश्वर महादेव मंदिर शहीद नगर के विभिन्न शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ का विभिन्न तरीकों से आकर्षक श्रृंगार किया गया। संध्या के समय महाआरती का भी आयोजन किया गया। नगर के श्री रामेश्वर महादेव मंदिर पर बालक चेतन मेहते ने जुठ एवं रस्सियों का बेहतरीन उपयोग करते हुए भगवान भोलेनाथ का आकर्षक स्वरूप तैयार किया। जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे व दर्शन लाभ लिया।

## संपादकीय

# बारिश से तबाही



उत्तर भारत समेत देश के अन्य भागों में अप्रत्याशित रूप से लगातार होती बारिश ने हा-हाकार मचाया है। बरसात के मौसम में बारिश और जलधाराओं में उफान आना सामान्य बात है। लेकिन इस बार की अतिवृष्टि ने बताया है कि मनुष्य शक्तिशाली होने का भले ही दंभ भरता रहे लेकिन कुदरत के रौद्र के सामने वह बौना ही है। जगह-जगह बादल फटने, नदियों में बाढ़, पानी रोकने में नाकाम बांध और भूस्खलन की घटनाओं ने लोगों में भय पैदा किया है। देश का जनजीवन अस्त-व्यस्त हुआ है। पुलों के टूटने, बस्तियों में नौका चलाने, मकानों के भरभरा कर गिरने व कारों के बहने के वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों को दहशत से भर रहे हैं। कारोबार ठप हैं, स्कूल-कालेज बंद कर दिये गये हैं। फिर भी बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूसलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। करीब तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। हिमाचल में बाढ़, बादल फटने, जलधाराओं में उफान व भूस्खलन में सत्रह लोगों के मरने की खबरें आ रही हैं। जलधाराओं में उफान से नदियों के किनारे स्थित सड़कों, मकानों, होटलों व हाईवे को नुकसान पहुंचना स्वाभाविक है। हिमाचल व उत्तराखंड में सैकड़ों सड़कें तबाह हुई हैं। विद्युत व्यवस्था ठप होने और यातायात बाधित होने की भी खबरें हैं। हिमाचल में रावी, व्यास, सतलुज, चिनाब आदि नदियों में उफान से संकट गहरा हो रहा है। हरियाणा में हथनीकुंड बैराज में जरूरत से ज्यादा पानी जमा होने से करीब दो लाख क्यूसिक पानी छोड़े जाने से दिल्ली पर बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। ऐसे में युद्ध स्तर पर बचाव के प्रयास किये जाने की जरूरत है। अभी भी रुक-रुक कर होने वाली बारिश को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि आने वाले दिनों में हालात चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं।

नि:संदेह, आज पूरी दुनिया में मौसम के चरम से उत्पन्न प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। मौसम की तल्खी को देखकर लगता है कि प्रकृति के खिलाफ मानव की क्रूरता का कुदरत बदला ले रही है। जलधाराओं के मार्ग में लगातार बढ़ते अतिक्रमण ने नदियों के प्रवाह को आक्रामक बना दिया है। पहाड़ हमारी जरूरत हैं, हमारी प्राणवायु के संरक्षक हैं लेकिन वे सिर्फ इंसानी विलासिता और सैर-सपाटे के स्थान नहीं हैं। वे बड़ी विकास परियोजना व बड़े बांधों का बोझ उठाने लायक भी नहीं हैं। कहा जाता है कि बड़े बांधों के इलाकों में बादल फटने की घटनाएं बढ़ती हैं। इंसान ने विकास व पर्यटन तथा बस्तियों का जितना बोझ पहाड़ों पर लाद दिया है, वो इनकी क्षमता से अधिक है। पहाड़ों में विकास का आधार प्रकृति के साथ सामंजस्य होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर देश के महानगर व शहर अनियोजित विकास का त्रास झेल रहे हैं। थोड़ी सी बारिश से बाढ़ जैसे हालात पैदा हो जाते हैं। बारिश के पानी के जो परंपरागत रास्ते थे, उन पर कब्जा करके हमने कंक्रीट के जंगल उगा दिये हैं। दूसरी ओर इस तरह की अतिवृष्टि आधारभूत ढांचे की पोल भी खोलती है। बड़े शहरों में सड़कों में जलभराव, रेलवे लाइन का पानी में डूबना व अंडरपास का जलमग्न होना अनियोजित विकास का ही परिणाम है। बारिश में हमारे आधारभूत ढांचे की गुणवत्ता सामने आ जाती है। जिसके चलते सड़कों के धंसने और ट्रैफिक जाम की घटनाएं बारिश में सामने आती हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जिस मानसून का हम पलक-पांवड़े बिछा कर स्वागत करते थे, जो बारिश कभी आनंद का प्रतीक होती थी, वह अब डराने क्यों लगी हैं। कहीं न कहीं हमारे नगर नियोजक, प्रशासक, इंजीनियर व नीति नियंता भविष्य की चुनौतियों के मद्देनजर विकास योजनाओं को मूर्त रूप देने में विफल रहे हैं। जाहिर बात है, यदि आधारभूत ढांचे का निर्माण पर्याप्त योजना व दूरदर्शी सोच के अभाव में किया जाएगा, तो अतिवृष्टि से लोगों का मुश्किलों में फंसना स्वाभाविक ही है।

# हिमालयी अस्मिता बचाने से रूकेंगी आपदाएं

दस वर्ष बाद अतिवृष्टि फिर क़हर ढा रही है। जहां 2013 में उत्तराखंड तबाह हुआ था, वहीं 2023 में हिमाचल। मंडी शहर तो जल प्लावन के कगार पर है। सिरमौर में लोग फंसे हुए हैं। अटल टनल बंद है और शिमला-मनाली हाईवे के यात्री इधर-उधर टिके हैं। ब्यास नदी उफान पर है। उत्तराखंड में भी दस साल पहले जैसी विपदा भले न आई हो लेकिन पूरा राज्य बाढ़ की चपेट में है। पंजाब, हरियाणा के साथ-साथ दिल्ली-एनसीआर भी बदहाल है। वैसे जल-भराव और बाढ़ की हालत इन राज्यों के लिए आम हो गई है। मगर पिछले कुछ वर्षों से राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश के सूखे इलाक़ों में भी पानी भर रहा है। आख़िर ऐसा क्यों हो रहा है? इस पर विचार न किया गया तो भविष्य में स्थिति और भयावह हो जाएगी।

बहुत से लोग वह भयावह मंज़र भूल चुके होंगे जब 2013 में केदारनाथ हादसा हुआ था। उस समय 16 जून की रात अचानक केदारनाथ में जोर का धमाका हुआ और नीरव सन्नाटे में पानी की ऊंची-ऊंची लहरों ने पत्थरों को लुढ़काना शुरू कर दिया। गर्मी के दिन थे इसलिए उत्तराखंड के इस प्राचीन शिव मंदिर के दर्शनों के लिए असंख्य श्रद्धालु आए हुए थे। इस हादसे में कितने लोग मारे गये और कितने लापता हुए थे, इसका कोई पुख्ता आंकड़ा आज तक नहीं मिल सका है।

बस यही बताया गया कि केदारनाथ धाम के चोराबारी ग्लेशियर के ऊपर बादल फटा था। इसके बाद जो भगदड़ मची उसमें कौन कहां गया, कुछ नहीं पता चल सका। केदारनाथ के एक तरफ 22,000 फीट ऊंची केदारनाथ पहाड़ी है दूसरी तरफ 21,600 फीट ऊंची कराचकुंड और तीसरी तरफ 22,700 फीट ऊंचा भरतकुंड है। इन तीन पर्वतों से होकर बहने वाली पांच नदियां हैंकृमंदाकिनी, मधुगंगा, चिरगंगा, सरस्वती और स्वरंदरी। उस रात ये सारी नदियां उफन पड़ी थीं। इसके बाद पूरे उत्तराखंड में ज़बर्दस्त बारिश शुरू हो गई और यह पहाड़ी राज्य बुरी तरह बाढ़ से घिर गया। हादसे से उत्तराखंड के बाक़ी धाम (बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री) भी सैलाब से बच नहीं सके। बाद में उत्तराखंड की बदहाली के जो चित्र आए, वे दिल दहला देने वाले थे। पानी के सैलाब ने सब कुछ लील लिया था। केदारनाथ में तो सिर्फ़ केदारनाथ का मंदिर ही शेष बचा था। कत्यूरी शैली में बने इस मंदिर की बनावट ऐसी है कि इसका ध्वंस लगभग असंभव है। देहरादून के वाडिया इंस्टिट्यूट की मानें तो 13वीं सदी से 17वीं सदी तक यह मंदिर बर्फ़ से दबा रहा। लेकिन जब बर्फ़ हटी तो मंदिर यथावत?् था।

दरअसल, कत्यूरी शैली में बने मंदिरों को इस तरह बनाया गया था कि वे प्राकृतिक आपदाओं में सुरक्षित रह सकें। किंतु मनुष्य जो आपदाएं लाते हैं, उनसे प्रकृति कुपित होती है। प्रकृति के कुपित होने से सबसे अधिक नुक़सान मनुष्यों को ही होता है। मगर मनुष्य उसे कुपित करने के सारे उपक्रम करते रहते हैं। उस समय लगा था कि शायद मनुष्य इस हादसे से चेतेगा और नदियों के जल प्रवाह को रोकने या बाधित करने की हरकतें नहीं करेगा। मगर उस हादसे को लोग भूल गये, और फिर से वैसी ही हरकतें शुरू कर दीं, जो प्राकृतिक कोप का कारण बनती हैं। जैसे नदियों के जल-प्रवाह को रोकना, उसके प्रसार क्षेत्र में खनन, डूब क्षेत्र में बसावट। नतीजा यह होता है कि न बाढ़ रुक पाती है न सूखा।



दरअसल, प्रकृति के कोप से बचने के जो उपाय तलाशे गये थे, उनकी अवहेलना समाज को भारी पड़ती है। केदारनाथ की सभी नदियों के प्रवाह क्षेत्र में यदि होटल और गेस्ट हाउस न बनाये जाते तो यकीनन चोराबारी ग्लेशियर से आया पानी अपनी स्वाभाविक गति से बह जाता। किंतु जिस तरह से वहां भीड़ को ठहराने के लिए मंदाकिनी के बहाव को बाधित किया गया, उससे यह बर्बादी होनी ही थी। पहले तीर्थयात्री केदार धाम में अपनी आस्था और श्रद्धा के चलते आता था। मगर पर्यटन को बढ़ावा देने के मक़सद से उसे एक धार्मिक स्थल से पर्यटन स्थल बना दिया गया। नतीजन लोग सिर्फ़ मौज-मस्ती के लिए यहां आने लगे।

करीब एक हजार साल से भी ज्यादा समय तक केदारनाथ मंदिर अपनी भव्यता और दुर्गमता के कारण जाना जाता रहा है। बद्री और केदार घाटी की खोज आदि शंकराचार्य ने की थी। तब यहां तिब्बती बौद्धों का कब्जा था लेकिन आदि शंकराचार्य का कहना था कि भगवान नारायण ने यहां साक्षात?् अवतार लिया था और बाद में बौद्धों ने उनकी प्रतिमा कुंड में फेंक कर इस घाटी पर कब्जा कर लिया। आदि शंकराचार्य अपने साथ कुछ दक्षिणात्य ब्राह्मणों को लेकर गए थे और भयानक शीत में वे कुंड में कूदे तथा भगवान बद्री की प्रतिमा निकाली तथा उसे स्थापित किया। उनके बाद कल्चुरी राजाओं के शिल्पी आए तथा उनकी रक्षा के लिए सेना भी। शिल्पियों ने यहीं के पत्थरों से बद्री और केदार घाटी में क्रमशः भगवान बद्रीनाथ तथा शिवलिंग की भव्य मूर्तियां स्थापित कीं। शंकराचार्य ने आज से हजार साल पहले भारत देश को एक सूत्र में पिरोने की एक ऐसी अवधारणा प्रस्तुत की जो शायद उसके पहले किसी ने नहीं सोची थी।

पूरे भारत के पश्चिमोत्तर से लेकर पूर्वोत्तर तक हिमालय ही फैला है। और इसके नीचे का भूभाग एक प्रायद्वीप जैसा है जिसका सारा मौसम हिमालय की पहाड़ियों और बर्फ से ढकी चोटियों से प्रभावित होता है। आज अगर भारत का मौसम उष्ण कटिबंधीय है तो उसकी वजह यही हिमालय है। जाड़ा, गर्मी और बरसात की वजह यही हिम प्रदेश है। वर्ना शायद भारत में भी अन्य मुल्कों की तरह एक-सा मौसम रहा करता। या तो भयानक गर्मी या भयानक जाड़ा अथवा बारहों महीने की बारिश। पर हिमालय में शहर बसाने की कल्पना करने वाले हमारे हुक्मरान भूल जाते हैं कि हिमालय दुनिया का सबसे नया पहाड़ है। इसे आल्पस की तरह तोड़ा नहीं जा सकता है न ही इसे अरावली की तरह रौंदा जा सकता है। इसीलिए हमारे धार्मिक ग्रंथों में इसे धर्म और अध्यात्म का केंद्र बताया गया है। चाहे वे वैदिक ऋषि-मुनि रहे हों अथवा बौद्ध व सिख, वे हिमालय में अपने अध्यात्म की भूख मिटाने गए। इसीलिए सदैव से हिमालय में तीर्थयात्री जाते रहे हैं, पर्यटक नहीं। पर्यटकों के लिए अंग्रेजों ने अपेक्षाकृत कम ऊंची पहाड़ियों को विकसित कर लिया था। शिमला, कसौली, मसूरी, नैनीताल से लेकर दार्जिलिंग तक। इसके ऊपर का भाग सिर्फ धार्मिक यात्रियों तक सीमित रखा गया और अभी कुल पचास साल पहले तक ये धार्मिक यात्री बद्री, केदार, गंगोत्री तथा यमुनोत्री की पूरी यात्रा हरिद्वार से ही पैदल तय करते थे। पहले जो भी यात्री इन धामों की यात्रा करने जाया करते थे वे अपने नाते-रिश्तेदारों से मिलकर यात्रा शुरू करते थे क्योंकि उनके सकुशल लौटने की उम्मीद कम ही हुआ करती थी। एक कहावत प्रचलित थी- जाए जो बद्री, वो लौटे न उद्री, और लौटे जो उद्री तो होय न दलिद्दरी। यानी बद्री-केदार जाने वाले का लौटना यदाकदा ही हो पाता था और लौटा तो फिर वह गरीब तो नहीं रहता था।



जयंतीलाल भंडारी

गोमुख तक आज यात्रियों की भीड़ में आध्यात्मिकता कम इन इलाकों में जाकर मौज-मस्ती करने का भाव अधिक रहता है। इसीलिए वे अपने साथ खाने-पीने की इतनी चीजें ले जाते हैं कि उनकी गंदगी से इस सारे क्षेत्र से पानी निकलने के रास्ते तक बंद हो गए हैं। पहले के यात्री तीर्थ के भाव से निकलते थे और कहीं भी लकड़ियों का जुगाड़कर चूल्हा जलाया और खिचड़ी बनाकर खा ली लेकिन अब तो उन्हें वह सब चाहिए जो दिल्ली आदि महानगरों में उपलब्ध है। उनकी चाहत के लिए यहां दुकानें तथा होटल खुले। अधिकतर होटल नदी द्वारा छोड़ी गई रेती में बनाए गए और सारा कचरा नदी में फेंका जाने लगा। नतीजा यह हुआ कि नदी में गाद जमा होकर धारा प्रभावित होने लगी। जो जगह वानप्रस्थ में प्रवेश कर चुके यात्रियों के लिए तय की गई थी उसमें वह लोग भी अपना हक जमाने लगे जिन्होंने अभी जिंदगी शुरू तक नहीं की है। मानवीय हस्तक्षेप ने हिमालय की सूरत बिगाड़ दी है। अब अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाला मानसून हिमालय की चोटियों से टकरा कर नमी पैदा करता है। नतीजा होता है, घनघोर बारिश।

# जीवन के लिए नयी संभावनाओं की तलाश

आगामी चौदह जुलाई को दोपहर 2: 35 बजे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) चंद्रमा पर चंद्रयान-3 अंतरिक्ष की ओर भेजेगा। यदि चांद पर यह सफलतापूर्वक उतर जाता है, तो अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत इस अभियान में सफलता पाने वाला चौथा देश बन जाएगा। 14 जुलाई को उड़ान भरने के बाद चंद्रयान-3, तीन लाख 75 हजार किलोमीटर की यात्रा करके 23 या 24 अगस्त, 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी धुव्र की सतह पर उतरेगा। इसरो ने चांद पर भेजे जाने वाले यान को रॉकेट एलवीएम-3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) से जोड़ दिया है। रॉकेट श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अपनी यात्रा शुरू करेगा। कोशिश है कि लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग कराई जाएगी। यान में कई उपकरण चांद की सतह का अध्ययन करेंगे। सभी उपकरणों का परीक्षण सफलतापूर्वक इसी साल मार्च में कर लिया गया है। दरअसल, सफल लैंडिंग के लिए सूर्य की स्थिति के आधार पर तिथि तय की जाती है। इसे उतारते समय चंद्रमा पर सूर्य का प्रकाश होना आवश्यक है। 23 और 24 तारीखों में सूर्य का प्रकाश चांद पर रहेगा। यहां प्रत्येक 14 से 15 दिन अंधेरा रहता है। इसी को चांद का एक दिन और एक रात माना जाता है।

उल्लेखनीय है कि 13 स्वदेशी वैज्ञानिक उपकरणों एवं उपग्रह समेत यान का कुल वजन 4400 क्विंटल के करीब है। स्वदेशी एलवी मार्क तीन रॉकेट इसे अंतरिक्ष में पहुंचाएगा। इसके तीन भाग हैं। लैंडर, ऑर्बिटर और रोवर। रोवर में 'प्रज्ञान' बेहद महत्वपूर्ण है। यही प्रज्ञान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने के बाद अपने काम में जुट जाएगा। यहां की सतह में पानी और खनिजों की खोज करेगा। चंद्रमा पर हीलियम की खोज करके उससे पृथ्वी पर फ्यूजन पद्धति से ऊर्जा की समस्या का हल करने की परिकल्पना वैज्ञानिकों के दिमाग में है। दरअसल फिलहाल चंद्रमा पर गहरा अंधेरा व सन्नाटा पसरा है। अतएव कृत्रिम तरीकों से बिजली पैदा की जाएगी। यहां जीवनदायी तत्व हवा, पानी और अग्नि नहीं हैं। ये तत्व नहीं हैं इसलिए, जीवन भी नहीं है।



याद रहे भारत द्वारा 2008 में भेजे गए चंद्रयान-1 ने ही दुनिया में पहली बार चंद्रमा पर पानी होने की खोज की थी। चंद्रयान-2 की असफलता का विस्तार चंद्रयान-3 है। यह अभियान मानव को चांद पर उतारने जैसा ही चमत्कारिक होगा। इस अभियान की लागत करीब 7,000 करोड़ रुपये आएगी। चांद पर उतरने वाला यान अब तक चंद्रमा के अछूते हिस्से दक्षिणी ध्रुव के रहस्यों को खंगालेगा। चंद्रयान-3 इसरो का पहला ऐसा मिशन है, जो किसी दूसरे ग्रह की जमीन पर अपना यान उतारेगा। दक्षिणी ध्रुव पर यान को भेजने का उद्देश्य इसलिए अहम है, क्योंकि यह स्थल दुनिया के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के लिए अब तक रहस्यमय बना हुआ है। यहां की चट्टानें 10 लाख साल से भी ज्यादा पुरानी बताई गई हैं। इतनी प्राचीन चट्टानों के अध्ययन से ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति को समझने में मदद मिल सकती है। इससे इतर इस पर लक्ष्य साधने का अन्य उद्देश्य चंद्रमा के इस क्षेत्र का अब तक अछूता रहना भी है। दक्षिणी ध्रुव पर अब तक कोई भी यान नहीं उतारा गया है। अब तक के अभियानों में ज्यादातर यान चंद्रमा की भूमध्य रेखा के आसपास ही उतरते रहे हैं। चांद पर उतरने की दिलचस्पी इसलिए भी है, क्योंकि यहां एक तो पानी उपलब्ध होने की संभावना जुड़ गई है, दूसरे यहां ऊर्जा उत्सर्जन की संभावनाओं को भी तलाशा जा रहा है।

अंतरिक्ष में मौजूद ग्रहों पर यानों को भेजने की प्रक्रिया बेहद जटिल और शंकाओं से भरी होती है। यदि अवरोह का कोण जरा भी डिग जाए या फिर गति का संतुलन थोड़ा-सा ही लड़खड़ा जाए तो कोई भी चंद्र-अभियान या तो चंद्रमा पर जाकर ध्वस्त हो जाता है, या फिर अंतरिक्ष में कहीं भटक जाता है। इसे न तो खोजा जा सकता है और न ही नियंत्रित करके दोबारा लक्ष्य पर लाया जा सकता है। दरअसल, 7 सितंबर, 2019 की रात्रि में 1:40 बजे भारत ने चंद्रयान-2 भेजा था। लेकिन रात्रि 2:50 बजे अभियान पर पानी फिर गया।

वर्ष 1960 के दशक में जब अमेरिका ने उपग्रह भेजे थे, तब उसके शुरू के छह प्रक्षेपण के प्रयास असफल रहे थे। अविभाजित सोवियत संघ ने 1959 से 1976 के बीच 29 अभियानों को अंजाम दिया। इनमें से नौ असफल रहे थे। 1959 में रूस ने पहला उपग्रह भेजकर इस प्रतिस्पर्धा को गति दे दी थी। तब से लेकर अब तक 67 चंद्र-अभियान हो चुके हैं, लेकिन चंद्रमा के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं जुटाई जा सकी है। इस होड़ का ही नतीजा रहा कि अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने चंद्रमा पर मानव भेजने का संकल्प ले लिया। 20 जुलाई, 1969 को अमेरिका ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि वैज्ञानिक नील आर्मस्ट्रांग और बज एल्ड्रिन को चंद्रमा पर उतारकर प्राप्त भी कर ली। इसी से कदमताल मिलाते हुए रूस ने 3 अप्रैल, 1984 को वैज्ञानिक स्नेकालोव, मालिशेव बाईकानूर और राकेश शर्मा को अंतरिक्ष यान सोयूज टी-11 से चंद्रमा पर भेजने में सफलता हासिल की। इस कड़ी में चीन 2003 में मानवयुक्त यान चंद्रमा पर उतारने में सफल हो चुका है।

**लेखक:- प्रमोद भार्गव**

# वैतनिक असमानता का दंश झेलने की मजबूरी



दीपिका अरोड़ा



आधुनिक प्रगतिशील दौर में भले ही नर-नारी समता की बातें पैठ बनाती प्रतीत हों किंतु सतही आधार पर स्थिति सर्वथा भिन्न है। यह बात साबित करते हैं वैतनिक समानता के मद्देनज़र हुए ताज़ा सर्वेक्षण। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन रिपोर्ट बताती है कि विश्वभर में किसी कार्य हेतु पुरुषों को यदि 100 रुपये मिलते हैं तो महिलाओं को प्रदत्त श्रमदेय 73 रुपये (भारत में 71 रुपये) रहता है।

नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, देश की तकनीकी उद्यमिता में लगभग 30 प्रतिशत महिलाएं सम्मिलित हैं लेकिन उनका औसत वेतन पुरुषों से 29 प्रतिशत कम है। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मुताबिक़, रिटेल वर्कफोर्स में महिला सहभागिता 70 प्रतिशत होने के बावजूद उनका वेतन पुरुषों की अपेक्षा 33 प्रतिशत कम है। मासिक आय का यह अंतर कृषि क्षेत्र में 3,812 रुपये, मैन्युफैक्चरिंग में 5,904 रुपये, सर्विस सेक्टर में 4,435 रुपये तथा ट्रेडिंग में 6,020 रुपये है।

वर्ल्ड इनइक्वलिटी रिपोर्ट के मुताबिक़, देश की कुल श्रमिक आय में महिलाओं की हिस्सेदारी मात्र 18 प्रतिशत है, क्योंकि अधिकांश महिलाएं कम आय वाले व्यवसाय से ताल्लुक रखती हैं। इस संदर्भ में भारतीय ग्राम्य भूभागों का संज्ञान लें तो औसत पुरुष दिहाड़ी 393 रुपये है तथा महिला श्रमदेय 265 रुपये है। शहरी क्षेत्रों में यह क्रमशः 483 तथा 333 रुपये है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुसार, सर्वाधिक अंतर केरल राज्य में दृष्टिगोचर हुआ। यहां गांवों में पुरुषों का औसत पारिश्रमिक 842 रुपये (प्रतिदिन) है तो महिलाओं का 434 रुपये।

पंजाब, हरियाणा, हिमाचल तथा राजस्थान में महिला दिहाड़ी पुरुषों की अपेक्षा लगभग 85 प्रतिशत होने के कारण स्थिति बेहतर आंक सकते हैं। गुजरात, मध्यप्रदेश, झारखंड में यह 80 प्रतिशत तथा उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल में पुरुषों के मुक़ाबले 70 प्रतिशत है। उत्तराखंड देश का एकमात्र राज्य है, जहां महिला श्रमदेय पुरुषों के मुक़ाबले अधिक पाया गया। 19 में से 11 बड़े राज्यों के मध्य स्थित अंतर वर्ष 2011-12 की अपेक्षा और बढ़ा है। पं. बंगाल, गुजरात, छत्तीसगढ़ में यह 10 प्रतिशत से अधिक रहा।

मैकेंजी की ताज़ा रिपोर्टानुसार, विश्वभर में महिलाओं की वरिष्ठ पदों पर भागीदारिता मात्र 14 प्रतिशत है, जिसके चलते मानदेय निर्धारित करने में 86 प्रतिशत पुरुषों की भूमिका प्रभावी हो जाती है। करिअर की अपेक्षा परिवार महिलाओं की प्राथमिकता है; वैतनिक भेद के पीछे यह मानसिकता भी प्रबल रहती है।

राष्ट्रीय स्तर पर जांचें तो मुख्य कारण हैं समाज में व्याप्त पितृसत्तात्मक सोच। इसके चलते महिलाओं को नियुक्ति, पदोन्नति, भुगतान आदि में पूर्वाग्रहों का सामना करना पड़ता है, भले ही उनकी योग्यता-अनुभव पुरुष सहयोगियों के समकक्ष हो। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों के दृष्टिगत दीर्घकालीन अवकाश, नौकरी के स्वरूप-समय संबंधी पाबंदी, प्रशिक्षण तथा शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए अपेक्षित समय न निकाल पाना, परिवहन उपलब्धता-सुरक्षा के दृष्टिगत समस्याएं पेश आना, मौक़े अपेक्षाकृत कम होने के कारण ऊंचे वेतनमान के लिए अधिक मोलभाव न कर पाना आदि अनेकानेक कारण इस अंतर को बढ़ावा देते हैं।

कानूनी स्थिति देखें तो 1976 में पारित 'समान पारिश्रमिक अधिनियम' सार्वजनिक अथवा निजी सभी संगठनों के नियमित-अनियमित कर्मचारियों को दायरे में लेते हुए, बिना किसी लिंग भेदभाव समान कार्यों के लिए समान वेतन प्राप्त करना सुनिश्चित करता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 39(डी) तथा अनुच्छेद 42 इस विषय में समानता की पूर्ण गारंटी देते हैं। वर्ष 2013 में पारित 'यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध तथा प्रतिशोध) अधिनियम' कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा आवश्यक बनाने सहित वेतनमान समानता भी सुनिश्चित करता है।

सामयिक आवश्यकता के मद्देनज़र वर्ष 2017 को संशोधित 'मातृत्व लाभ अधिनियम' के तहत मातृत्व अवकाश की अवधि 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दी गई। इसी प्रकार, वर्ष 2022 में 'भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड' (बीसीसीआई) ने 'भुगतान समता नीति' के अंतर्गत, केंद्रीय रूप से अनुबंधित महिला-पुरुष खिलाड़ियों को समान फीस देने संबंधी घोषणा की।

किंतु महज़ कानून बनाने भर से इस अंतर को पाटना संभव नहीं है। केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी 'भारत में महिला एवं पुरुष 2022 रिपोर्ट' बताती है, विगत एक दशक में महिला-पुरुषों के मध्य वेतन असमानता बढ़ी है। उच्च वेतन स्तर पर अंतराल और अधिक बढ़ गया।

भेदभाव की गहरी खाई पाटने हेतु समग्र मानसिकता में बदलाव लाना आवश्यक है। समावेशी तथा सुसंचालित राजनीतिक-सामाजिक नीतियां सर्वपक्षीय असमानता दूर करने में निर्णायक योगदान दे सकती हैं। मौजूदा कानूनों में अपेक्षित संशोधन करने के साथ समयानुकूल नव विधान लाना एवं संबद्ध कानूनों को कड़ाईपूर्वक लागू करना समय की मांग है। आवश्यक है कि महिला कर्मचारियों को कौशल एवं ज्ञानवृद्धि हेतु प्रशिक्षण तथा विकास के पर्याप्त अवसर मुहैया करवाएं जाएं, जो कि करिअर में आगे बढ़ने तथा बेहतर अवसर पाने में सहायक सिद्ध हो सकें।

# पिछले 3 दशकों में सदन की घटती बैठकें



सनत कुमार जैन

मध्यप्रदेश विधानसभा की 15 वीं विधानसभा का आखिरी सत्र मंगलवार से शुरू हो गया है। मात्र 5 दिनों मानसून सत्र आहूत किया गया है। जो पहले ही ?दिन हंगामें के कारण स्थ?गित हो गया। पिछले 30 वर्षों में सबसे कम बैठकें इस वर्ष आयोजित की गई हैं। नियम के अनुसार 1 साल में 120 बैठकें आयोजित करने का नियम है। लेकिन आखिरी सत्र को मिलाकर मध्यप्रदेश विधानसभा की केवल 75 बैठकें ही आहूत की गई हैं। इसमें भी 45 दिन की बैठकों में हो-हल्ला और हंगामा होता रहा। मात्र 30 दिन ही प्रश्न उत्तर और बिलों पर चर्चा हुई है। 45 दिन कोई भी विधि -विधाई कार्य नहीं हुआ। यह हाल केवल मध्यप्रदेश का नहीं है। पिछले 30 वर्षों में विधानसभा और लोकसभा में बैठकों की संख्या मे निरंतर कमी हो रही है। पिछले 10 वर्षों में लोकसभा और राज्यसभा की बैठकें पिछले वर्षों की तुलना में बहुत कम हुई हैं।

लोकसभा, राज्य सभा और विधान सभाओं में जिस तरीके से सदन के अंदर बैठकों के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में हंगामे होते हैं। बिलों को जिस तरह बिना किसी विचार विमर्श के हो हल्ले के बीच सदन से पास करा लिया जाता है। सांसद और विधायकों को अपने क्षेत्र की समस्याओं को उठाने का मौका भी सदन में नहीं मिलता है। प्रादेशिक और राष्ट्रीय स्तर के जो नियम और कानून बनाए जा रहे हैं। उन पर भी निर्वाचित प्रतिनिधियों को ना तो अध्ययन करने और नाही विचार रखने का उन्हें मौका ?दिया जाता है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए सबसे चिंताजनक स्थिति है। कुछ वर्षों से यह कहा जाता है, कि सरकार की मंशा के अनुरूप लोकसभा अध्यक्ष हों,या विधानसभाओं के अध्यक्ष हों। वह सरकार की मंशा के अनुरूप सदन की बैठकें बुलाते हैं। जबकि लोकसभा अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी होती है, कि सदस्यों को अपनी बात कहने का अवसर सदन में पर्याप्त रूप से मिले। जो भी बिल सदन में प्रस्तुत किए जा रहे हैं। उनमें पर्याप्त चर्चा हो। चर्चा के पश्चात ही बिलों को पारित किया जाए। इसके लिए बड़ी मोटी मोटी किताबों में संसद और विधानसभाओं ने अपने नियम भी बना रखे हैं। इन नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी लोकसभा अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष की ही होती है। लेकिन देखा जा रहा है, कि सत्ता पक्ष के दबाव में लोकसभा अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष अपने कर्तव्यों का निर्वहन वैसा नहीं कर पा रहे हैं, जैसा उन्हें करना चाहिए। लोकसभा और विधानसभा में जिस तरह से बिना चर्चा के कानून पारित किए जा रहे हैं। यह पूर्णता असंवैधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था के विपरीत हैं। यदि लोकसभा, विधानसभा और सरकार अपने ही बनाए गए नियमों का पालन नहीं करेगी। तो इस स्थिति में किस तरह से यह आशा की जा सकती है,कि विपक्षी दल और नागरिक नियमों और कानूनों का पालन करेंगे। नियम कानून और व्यवस्थाएं नैतिकता के आधार पर चलती हैं। डंडा मारकर नियम और कानून का पालन नहीं कराया जा सकता है। जिस तरह से सदन में बैठकों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। नागरिकों के अधिकारों के हनन की बात,यदि हम छोड़ भी दें। विधायक और सांसद भी अपने अधिकारों की रक्षा सदन में नहीं कर पा रहे हैं। जिन नागरिकों ने उन्हें अपने अधिकार से निर्वाचित किया है। वह सदन में अपनी बात ही नहीं कह पाते हैं। सांसद और विधायक जो प्रश्न लगाते हैं। उन्हें तारांकित और अतारांकित प्रश्न के रूप में भी सदन में स्वीकार नहीं किया जाकर, चुनिंदा प्रश्नों और चुनिंदा विधायकों-सांसदों के प्रश्नों को कार्यवाही में शामिल किया जाता है। जिसके कारण निर्वाचित सदस्यों को अपने प्रश्न के उत्तर भी सरकार से नहीं मिलते हैं। जो निर्वाचित सदस्यों के मौ?लिक अधिकारों का हनन है। सदस्य संख्या के आधार पर लोकसभा सदस्य, विधान सभा के सदस्य अपनी बात सदन में रख पाएं। इसके लिए कभी भी कोई समय सारणी तैयार नहीं की गई है। यदि बैठक नहीं हो पाई है तो सदन की बैठकें आगे भी बढ़ाई जा सकती हैं। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि लोकसभा अध्यक्ष ओर विधानसभा अध्यक्ष, हो हल्ले के बीच कानून बनाने की स्वीकृति सरकार को दे देते हैं। जो पूर्णता अवैधानिक है। उसके बाद भी यह क्रम लगातार बढ़ता चला जा रहा है। लोकसभा और विधानसभा के अध्यक्ष अपने सांसदों और विधायकों के अधिकारों को संरक्षण कर सकते हैं। संविधान ने उन्हें पूरी शक्तियां दी हैं। लेकिन वह अपनी शक्ति का पालन नहीं कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका के हस्तक्षेप की जरूरत महसूस की जा रही है। सदन में जो भी नियम और कानून तैयार किए जा रहे हैं। यदि उन पर चर्चा नहीं हुई, ऐसे नियम और कानूनों को सदन की स्वीकृति ना मिले। पिछले एक दशक में कानून बनने के कुछ माह बाद ही उनमें संशोधन होने लगते हैं। उसका एकमात्र कारण है कि, जल्दबाजी में जो भी नियम कानून बनाए जाते हैं। उनकी विसंगतियों को हटाने के लिए फिर बार-बार उनमें संशोधन करना पड़ता है। इसके लिए न्यायपालिका के हस्तक्षेप की जरूरी हो गया है। सबसे बड़ी बात यह है, कि जनता की लड़ाई तो विधायक सांसद सदन में जाकर लड़ेंगे। लेकिन वह अपने अधिकारों के प्रति सचेत हो जाएं,तो ज्यादा बेहतर होगा। सांसद और विधायक समय रहते, अधिकारों के प्रति सचेत नहीं हुए। तो उनका राजनीतिक जीवन जनता के बीच लंबा नहीं होगा। यह उन्हें भी समझना होगा।

# कहां गए धर्म के ठेकेदार : धर्म को लेकर राजनीति करने वाले मौन क्यों...?

**माही की गूंज, शुजालपुर।**
**अजय राज केवट**

**प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह ने हाल ही में राजनीतिक दिखावे के लिए सीधी पेशाब कांड के पीड़ित के पैर धोकर सर्वाधिक माफी मांग कर अपने कार्य की इतिश्री कर ली। लेकिन प्रदेश में आज भी ऐसे कई आरोपी खुलेआम घूम रहे है जिन्होंने बड़े-बड़े कांड किये है चाहे वह बलात्कार ही, भ्रष्टाचार हो, पुलिस की गुंडागर्दी हो या अन्य। यहीं मामा जी की राजनीति ओर पुलिस विभाग में अपनी पकड़ फिस्सडी साबित होते नजर आ रही है।**

हाल ही में शुजालपुर मंडी फ्रीगंज में साईं मंदिर के पुजारी संतोष ब्राह्मण पर आरोप लगा कि, उसने 4 वर्ष की मासूम के साथ बलात्कार किया है। जिस मामले में पुलिस को कार्रवाई करने में खरा उतरना था, लेकिन शुजालपुर मंडी पुलिस प्रशासन ने अपना ढील-पोल रवैया अपनाया। मासूम के परिजन ने शाजापुर महिला थाने में जाकर एफआईआर भी दर्ज करवाई, जिसके बाद आरोपी को पकड़ कर न्यायलय में पेश किया गया, जहा न्यायलय द्वारा आरोपी को जेल भेजा गया।

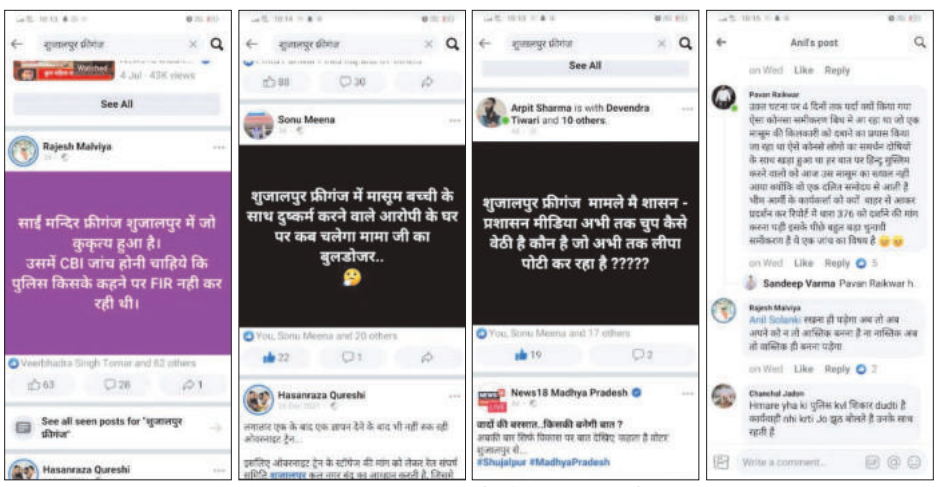


## 4 वर्ष की मासूम को कब मिलेगा न्याय

कुछ दिन पूर्व सीधी जिले में पेशाब कांड को लेकर मुख्यमंत्री व गृहमंत्री एक्शन मोड में आकर भाजपा नेता के घर पर बुलडोजर चलाकर आदिवासी को न्याय तो दिला दिया, मगर शुजालपुर क्षेत्र की घटना को लेकर मुख्यमंत्री ने रेपकांड के आरोपी का मकान क्यों जमीदोज नही किया...? या फिर सब कुछ जान कर भी नजरअंदाज किया गया, यह एक बड़ा प्रश्न है।

शुजालपुर के स्थानीय नेताओं व प्रशासन को आखिर किस बडी घटना का इंतजार है। क्या मासूम की मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद में प्रशासन हरकत में आएगा या फिर यूं ही शहर की मासूम इन दरिंदो की हवस का शिकार होती रहेंगी...?

## कहां गए धर्म के ठेकेदार...?

फलाना-ढीमका घटनाओं ढिंढोरा पीट-पीटकर व गाय को लेकर प्रदर्शन कर व सोशल मीडिया पर अपने राजनीतिक चमकाने वाले समाज व हिंदुत्व का ठेका लिए घूम रहे ठेकेदारों ने आखिर मासूम के साथ में हुए बलात्कार को लेकर मौन क्यों धारण कर रखा है...? यह भी आमजन के मुंह पर चर्चा का विषय जोरों पर चल रहा है।

वहीं हिंदू जागरण मंच ने कलापीपल तहसील में हुए बलात्कार के आरोपी आमीन पिता आफजल खा का मकान ध्वस्त करने व उस पर एनएसए की धारा लगाने की बात को लेकर रेली निकाल कर ज्ञापन दिया। लेकिन 4 वर्ष की बालिका के सम्मान को लेकर किसी भी संगठन की निंद, नही खुली। ये भी आम जन के मुंह पर चर्चा का विषय बना हुआ हैं।

## कलेक्टर ने पाठ्य सामग्री और यूनिफॉर्म खरीदने के आर्थिक सहायता प्रदान की

**माही की गूंज, शाजापुर।**

कलेक्टर किशोर कन्याल ने जनसुनवाई में आई शाजापुर की बजरंग कॉलोनी निवासी निकिता टेलर को उसके भाई-बहन की पाठ्य सामग्री एवं यूनिफॉर्म क्रय करने के लिए 8 हजार रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की। जनसुनवाई में निकिता ने आवेदन देकर कलेक्टर को बताया कि, उसके दोनों भाई-बहन शाजापुर के प्राइवेट स्कूल में कक्षा पांचवीं एवं कक्षा आठवी में पढ़ते हैं। इसके लिए वह प्रति वर्ष पुराना कोर्स खरीदकर उन्हें देती थी, किन्तु इस वर्ष विद्यालयों का पाठ्यक्रम और यूनिफॉर्म बदल जाने के कारण उसके पास पाठ्य समग्री खरीदने के लिए रुपए नहीं हैं, इसके लिए उसे आर्थिक सहायता दी जाए।

कलेक्टर कन्याल ने निकिता की परेशानी को समझते हुए 8 हजार रूपए की आर्थिक सहायता राशि का चेक बनाकर दिया, जिसे समाज सेविका श्रीमती गायत्री विजयवर्गीय एवं श्रीमती सीमा शर्मा द्वारा निकिता को प्रदान किया गया।

## जन समस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

**माही की गूंज, शाजापुर।**

मुबारिकपुर में जन समस्या को लेकर अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार, निवारण कमेटी के तत्वाधान में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कई चीजें सामने आई, जिनमें प्रमुखता रोजगार सहायक विनोद के द्वारा अपना कार्य सुचारू रूप से नहीं करना बताया गया तथा प्रधानमंत्री आवास एवं पेंशन एवं अन्य समस्याओं को लेकर ग्रामीणों ने अपनी बात को रखा। समस्याओं के निवारण के लिए जल्द ही ग्रामीणों को अधिकारियों के समक्ष उपस्थित कर अवगत कराया जाएगा एवं उनकी समस्याओं को हल कराने का प्रयास किया जाएगा। आयोजन में राजा शब्बीर हुसैन, अर्जुन कीर, अविनाश सिंह, सद्दाम बाबा, भरत अग्रवाल, सोयाब मंसूरी एवं ग्रामीण उपस्थित हुए।

# हिन्दू नेता पर जानलेवा हमले के मामले में सूफ्फा ग्रुप के असजद, रिजवान और समीर को दस-दस वर्ष, शाहिद को मिली तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा

**माही की गूंज, रतलाम।**

आतंकी गतिविधियों में लिप्त सूफ्फा ग्रुप चलाने वाले असजद, रिजवान और समीर उर्फ राजा को हिन्दू जागरण मंच के संयोजक राजेश कटारिया को जान से मारने की नीयत से फायर करने के मामले में तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश लक्ष्मण कुमार वर्मा ने दस दस वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। मामले के अन्य आरोपी शाहिद खान को आर्म्स एक्ट के मामले में तीन वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है, जबकि एक आरोपी अनवर खान उर्फ अन्नू को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त किया गया है।

## 2013 में हुआ था हिन्दू नेता पर जानलेवा हमला

आरोपियों ने 29 जुलाई 2013 को हिन्दू नेता राजेश कटारिया की हत्या करने का प्रयास किया था। इस संवेदनशील मामले में आने वाले निर्णय को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस प्रशासन ने मंगलवार सुबह से जिला न्यायालय परिसर में कडे सुरक्षा प्रबन्ध किए थे। पांचों अभियुक्तों को कडी सुरक्षा में न्यायालय में लाया गया, जहां न्यायाधीश वर्मा ने भोजनावकाश के बाद उन्हे सजा देने का एलान किया। न्यायालय का विस्तृत निर्णय काफी देर के बाद अधिवक्ताओं और अन्य व्यक्तियों को उपलब्ध हो पाया।

प्रकरण में अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी करने वाले अपर लोक अभियोजक संजीव सिंह चौहान ने बताया कि, घटना दिनांक 29 जुलाई 2013 की शाम करीब पौने पांच बजे राजेश कटारिया मोटर साइकिल से सालाखेडी के पास इटावा रोड गोदाम से अपने दूसरे संस्थान फ्रेन्ड्स आटोमोबाइल की तरफ जा रहे थे कि, अचानक पीछे से दो अज्ञात मोटर साइकिल सवारों ने उन पर पिस्टल से दो फायर किए। ये गोलियां राजेश के बाएं हाथ के कन्धे और कोहनी में लगी। खतरे को भांप कर राजेश ने अपनी मोटर साइकिल तेजी से भगाई, लेकिन हमलावरों ने फिर भी उनका पीछा किया और पटवा अभिकरण के पास उन पर फिर से फायर किया और मौके से भाग गए।

## जाँच में सामने आया अल सुफ़्फ़ा संगठन का नाम

घटना की रिपोर्ट के बाद जब पुलिस ने अनुसन्धान किया तो पता चला कि, राजेश कटारिया पर हमला करने वाले समीर उर्फ राजा पिता बारीक खान और रिजवान खान पिता रमजानी खान थे। समीर मोटर साइकिल चला रहा था, जबकि रिजवान ने पीछे बैठकर राजेश पर फायर किए थे। उक्त दोनो आरोपियों से पूछताछ के बाद पता चला कि इस हमले का मुख्य षडयंत्रकर्ता अल सूफ्फा नामक आंतकी संगठन बनाने वाला असजद उर्फ अज्जत पिता जहूर खान था। असजद ने अपने घर पर एक मीटींग की जिसमें आरोपी शाहिद, रिजवान और समीर आदि शामिल थे। इस मीटींग में यह तय हुआ कि चूंकि राजेश कटारिया हिन्दू संगठन का नेता है और मुसलमानों के खिलाफ बोलता है, इसलिए इसे खत्म करना है। मीटींग में बनी योजना के मुताबिक पहले अनवर और शाहिद ने राजेश कटारिया की निगरानी की और फिर समीर और रिजवान ने उन पर हमला किया।

## ये मिली सज़ा

प्रकरण में अभियोजन की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों तथा बचाव पक्ष के तर्कों की सुनवाई के पश्चात विद्वान तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश लक्ष्मण कुमार वर्मा ने मुख्य षडयंत्रकर्ता असदज उर्फ अज्जत पिता जहूर खान को भादवि की धारा 307 में 10 वर्ष के सश्रम कारावास और पांच सौ रुपए अर्थदण्ड तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत 3वर्ष के कठोर कारावास तथा आर्म्स एक्ट की धारा 27 के तहत 5 वर्ष के कठोर कारावास और पांच सौ रुपए अर्थदण्ड की सजा सुनाई। इसी प्रकार रिजवान खान पिता रमजानी खान को धारा 307 के तहत दस वर्ष कारावास, आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत तीन वर्ष कारावास और पांच पांच सौ रुपए अर्थदण्ड की सजा सुनाई। तीसरे मुख्य अभियुक्त समीर उर्फ राजा पिता बारीक खान को धारा 307 में दस वर्ष कारावास और पांचसौ रुपए अर्थदण्ड की सजा सुनाई। मामले के चौथे अभियुक्त शाहिद खान पिता फरीद खान को आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत दोष सिद्ध करार देते हुए 3 वर्ष के कारावास और पांच सौ रुपए अर्थदंड की सजा दी गई। जबकि पांचवे अभियुक्त अनवर खान उर्फ अन्नू पिता युसूफ खान को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया गया। अभियुक्तों को सजा सुनाए जाने के तत्काल बाद दोषसिद्ध अभियुक्तों को पुलिस की कडी सुरक्षा में जेल भेज दिया गया।

उल्लेखनीय है कि, इस प्रकरण के आरोपियों में जहां असजद अल सुफ़्फ़ा जैसे आतंकी ग्रुप का कर्ता धर्ता हैं, वहीं एक अन्य आरोपी रिजवान खान पूर्व में बजरंग दल नेता कपिल राठौड की हत्या मे दोषसिद्ध होकर आजीवन कारावास का सजायाफ्ता मुजरिम है। प्रकरण के विचारण के दौरान भी वह उज्जैन की भेरुगढ सेन्ट्रल जेल में ही बन्द था।

# स्कूल के प्रिंसिपल की मनमानी के आगे विद्यार्थी का हो रहा भविष्य खराब

**माही की गूंज, शाजापुर।**

जिले के ग्राम कड़वाला में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के नुमाइंदे शासन के नियमों को ताक पर रखकर अपनी मनमर्जी से स्कूल संचालित कर रहे है। आलम यह है कि, ग्राम कड़वाला के रहने वाले छात्र संदीप भिलाला को स्कूल से टीसी नहीं मिल पा रही है जिसके कारण सरकारी स्कूल में संदीप को दाखिला नहीं हो पा रहा है। वर्ष भर से स्कूल की मनमानी के चलते बच्चों का भविष्य अंधकार में है। परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण वह निजी स्कूल में फीस देने में असमर्थ है।

वहीं स्कूल संचालक राधेश्याम दशेहरिया का कहना है कि, पूरा पैसा जमा होने के बाद ही टीसी दूंगा।

छात्र संदीप के पिता और संदीप ने माही की गूंज को बताया कि, यदि टीसी नही मिली तो मेरे बेटा का पूरा एक वर्ष खराब हो जायेगा, मेरे 2 बेटे स्कूल में पढ़ रहे थे लेकिन मेरे घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण मैंने पढ़ाई से एक बच्चे को वंचित कर दिया लेकिन दूसरे को पढ़ाना चाहते है तो सरकारी स्कूल में एडमिशन करवाना जा रहा था, लेकिन सरस्वती शिशु मंदिर के प्रिंसिपल राधेश्याम दशेरिया का कहना है कि पूरी फीस जमा होने के बाद ही टीसी दी जाएगी। वहीं इस पूरे मामले को लेकर छात्र संदीप ने शुजालपुर सिटी थाने पर आवेदन भी दिया है।

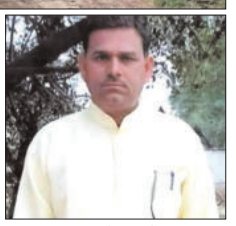
प्रिंसिपल राधेश्याम दशेरिया

अब देखना ये होगा की सरस्वती शिशु मंदिर कडवाला के प्रिंसिपल की ऐसी की मनमानी चलती रहेगी या छात्र संदीप का भविष्य बर्बाद होने से बचा लिया जाएगा।

वही छात्र संदीप के पिता राधेश्याम भिलाला ने स्कूल प्रिंसिपल राधेश्याम दशेरिया पर फीस का आरोप लगाते हुए बताया कि, मैं एक बार स्कूल में पैसे जमा करने के लिए गया था, मुझे 15 हजार रुपए बकाया बताया, तब मेरे पास पूरे पैसे नही होने के कारण स्कूल में पैसे जमा नही कर सका। फिर वही दूसरी बार गया तो मुझे वबी फीस 16 हजार रुपए बताई गई। अब समझ में ये नहीं आता है की स्कूल संचालक राधेश्याम दशेरिया शिक्षा के क्षेत्र में स्कूल संचालित कर रहा है या ब्याज का धंधा हर बार एक हजार रुपए बढ़ा दिया जाता है।

## जैन सोश्यल ग्रुप सुभाष स्कूल में किया पाठ्य सामग्री का वितरण

**माही की गूंज, जावरा।**

जैन सनातन धर्म में पांच माह का चार्तुमास काल चल रहा है, वही चार्तुमास धर्म, ध्यान, त्याग, तपस्या, आराधना और पवित्र सावन माह जिसमें भगवान शिव का आराधना का समय हैं ऐसे समय में मानवसेवा का संकल्प निश्चित रुप से आत्म उध्दारक कार्य है। आज निश्चित रुप से जैन सोश्यल ग्रुप जावरा मैत्री परिवार द्वारा पिछले 6 वर्षो से गोद लिए गए सुभाष एकीकृत विद्यालय में प्रतिवर्ष अध्ययनरत बच्चों को कॉपी, कम्पास, बालपेन, कॉपी कवर, पेन्सिल, पानी की बॉटल, पेन्सिल कवर आदि पाठ्य सामग्री वितरण कर सामाजिक उत्थान का कार्य किया है। इसके लिए जैन सोश्यल ग्रुप जावरा मैत्री के सभी सदस्य साधुवाद के पात्र है। उक्त विचार जैन सोश्यल ग्रुप जावरा मैत्री द्वारा सुभाष एकीकृत विद्यालय में अध्ययनरत 110 बच्चों को स्कूल सामग्री वितरण कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि प्रदीप चौधरी ने व्यक्त किए। इस अवसर पर जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्टरनेशनल फेडरेशन मध्यप्रदेश रीजन के जावरा झोन कोर्डीनेटर शेखर नाहर, जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय सह सचिव अनिल धारीवाल, प्रदेश रीजन उपाध्यक्ष संदीप रांका, रीजन के पूर्व कोषाध्यक्ष पंकज कांठेड व महंत स्वामी सुधाकर पूरी जी ने भी सम्बोधित किया।

जैन सोश्यल ग्रुप जावरा मैत्री के सचिव अर्पल कोचट्टा एवं प्रचार सचिव मनीष धारीवाल ने बताया कि, जैन सोश्यल ग्रुप जावरा मैत्री परिवार द्वारा पिछले 6 वर्षो से लगातार सुभाष एकीकृत विद्यालय में पूर्व में स्टील फर्नीचर, पंखे, मेटींग के साथ प्रतिवर्ष पाठ्य सामग्री के साथ आवश्यक सामग्री ग्रुप के सदस्यों एवं दानदाताओं के सहयोग से भेट करतें हैं। इस वर्ष भी जैन सोश्यल ग्रुप मध्यप्रदेश रीजन की मासिक गतिविधि के अंतर्गत शैक्षणिक सामग्री वितरण के तहत आज ग्रुप द्वारा सुभाष स्कूल में स्कूल सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ अथितियों व पदाधिकारियो द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। स्वागत भाषण जैन सोश्यल ग्रुप मैत्री अध्यक्ष आलोक बरैया द्वारा दिया गया। इस दौरान स्कूल परिसर में पक्षियों के लिए चबूतरे पर मक्का डाली गई व पौधरोपण भी किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सभी सदस्य उपस्थित थे। सुभाष स्कूल स्टॉफ से राजेश अरोड़ा सर, खान सर, विमला मेहता, शर्मा मैडम, भटनागर मैडम ने सभी का स्वागत किया, अंत में सचिव अर्पल कोचट्टा ने आभार व्यक्त किया।

# गांधी उद्यान को हजारों पक्षियों के श्मशान मे बदल दिया, गोल्ड कॉप्लेक्स के लिए उद्योगपति को बेच दिया बगीचा

**विधायक चेतन्य काश्यप के इशारों पर प्रशासन कर रहा गैर कानूनी अपराधिक कृत्य, आधी रात को बगीचे के 50 से अधिक पेड़ काट डाले**

**माही की गूंज, रतलाम।**

नगर निगम के सामने स्थित गांधी उद्यान को गोल्ड कांप्लेक्स बनाने के लिए बेच दिया गया। 19 अप्रैल की अर्धरात्रि को गांधी उद्यान के आधे पेड़ काट दिए गए थे। मंगलवार की रात को शेष बचे हुए 70 से अधिक 50 वर्ष पुराने विशाल वृक्ष भी काट दिए गए। हजारो पक्षी मर गए, हजारों घायल हो गए तथा हजारो अंडे खत्म हो गये। पुरा बगीचा उजाड़ दिया गया। विधायक चेतन्य काश्यप के इशारों प्रशासन गैरकानूनी अपराधिक कृत्य कर रतलाम के पर्यावरण का सर्वनाश कर रहा है। यह आरोप कांग्रेस महासचिव, पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने लगाया।

सकलेचा ने कहा कि, 70 वर्ष पुराने गांधी उद्यान के 19 अप्रैल को जब 100 से अधिक विशाल वृक्ष काटे गये थे, तब प्रशासन ने इस प्रकरण की जांच कर बगीचा नहीं उजाड़ने का आश्वासन दिया था। पुलिस में लिखित शिकायत करने के बाद भी पेड़ काटने वाले नगर निगम तथा गोल्ड कांप्लेक्स के निवेशक पर कोई कार्यवाही नहीं की गई। सुप्रीम कोर्ट के नियमानुसार बगीचा बेचा नहीं जाता जा सकता है। लेकिन जिला प्रशासन ने सर्वे नंबर 100 पर स्थित 70 वर्ष पुराने गांधी उद्यान को गोल्ड कांप्लेक्स के लिए आरक्षित कर ठेकेदार को बेचकर गैर कानूनी अपराधिक कार्य किया है।

सकलेचा ने कहा कि, प्रशासन बेलगाम हो गया है और पूंजीपतियों की कठपुतली बन गया है। रतलाम विधायक चेतन्य काश्यप का मौन बताता है कि उनके इशारो पर प्रशासन नियम के विपरीत अपराधिक कृत्य कर रहा है। मंगलवार रात को काटे गए पेड़ में हजारों पक्षी तो मर गए, हजारों घायल हो गए और हजारों अण्डे जिनमें पक्षीयो का जन्म होना था उनकी भ्रूण हत्या हो गई। नगर विधायक चेतन्य काश्यप रतलाम के पर्यावरण के सर्वनाश पर भी अपने अहंकार की पुष्टि चाहते हैं। सकलेचा ने कहा कि, गांधी उद्यान को बचाने के लिए सड़कों पर आंदोलन किया जाएगा और कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी।

# कठिन विषय को सरल बनाकर पढ़ाना शिक्षक का पहला दायित्व - कलेक्टर

**माही की गूंज, खरगोन।**

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने मेनगांव हायर सेकेण्डरी स्कूल के शिक्षकों से कहा की आपकी सफलता तब हैं जब आप किसी भी विषय को अत्यंत सरल और आसान भाषा में पढ़ाने समझाने और सिखानें में निपुण हो। शिक्षकों द्वारा पढ़ाएं गए हर विषय को विद्यार्थी अंदर उतार सकें। शिक्षकों को नसीयत देते हुए कहा कि विद्यार्थियों का भविष्य बनाने का दायित्व आप लोगों पर ही हैं। साथ ही कक्षा 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों से कहा कि स्कूल आने से पहले ये सोचकर आये की आज क्या नया सीखेंगे और घर जाने के बाद इस पर विचार करें कि क्या सीखा? इस सोच के साथ स्कूल आये तो जो सपना देखा होगा उसको पूरा कर सकते हैं। कलेक्टर वर्मा बुधवार को स्कूलों के बंद होने के समय से पहले वस्तु स्थिति का जायजा लेने मेनगांव पहुँचे। यहां उन्होने सबसे पहले हायर सेकेण्डरी स्कूल, फिर आरोग्य केंद्र और माध्यमिक विद्यालय तथा मतदान केंद्र की जानकारी ली। हायर सेकेण्डरी स्कूल पहुंचते ही उन्होंने शिक्षकों की उपस्थिति के अलावा छात्राओं के ज्ञान और पढ़ाई के स्तर के बारे में जाना। उन्होंने कक्षा 9वीं और 10वीं की छात्राओं से संस्कृत इंग्लिश और गणित के अध्ययन के संबंध में प्रश्न किये। जब जवाब नहीं दे पाए तो कलेक्टर वर्मा ने संस्कृत में विभक्तियाँ, संस्कृत की धातु, इंग्लिश में टेंस और गणित में ब्याज तथा पहाड़े सिखाये। इसके पश्चात उन्होंने आरोग्य केंद्र का जायजा लिया। हालांकि जब कलेक्टर वहाँ पहुँचे ओपीडी का समय खत्म हो चूका था। यहाँ अंदर से ताला पाए जाने पर देखा तो एएनएम अंशु साँवले मौजूद थी।

### 35 छात्रों पर 7 शिक्षक

कलेक्टर वर्मा को सड़क किनारे के माध्यमिक विद्यालय व मतदान केंद्र दिखाई देने पर रुके और जानकारी प्राप्त की। यहां प्राथमिक विद्यालय में 16 और माध्यमिक विद्यालय में 19 विद्यार्थियों की दर्ज संख्या हैं। जबकि शिक्षकों की संख्या 7 हैं हालांकि 1 शिक्षक जयंत गीते का तबादला हो गया हैं। विद्यार्थियों को पहाड़े पढ़ाते हुए ब्याज आदि के व्यवहारिक जीवन में इनके महत्त्व के बारे में समझाया गया। साथ ही उन्होंने पुस्तकों और ड्रेस की जानकारी भी ली। मतदान केंद्र के सम्बन्ध में बीएलओ भवन सिंह मंडलोई ने जानकारी दी। इसके पश्चात कलेक्टर वर्मा ने ग्रामीणों से रूबरू होकर ग्रामीण समस्याओं और बच्चों की पढ़ाई तथा कृषि कार्यों के बारे चर्चा की। गांव के एक युवा शिक्षक ने अपने बेटे की समस्या के बारे में बताया। इसके अलावा एक व्यक्ति ने राशन कार्ड संबंधी समस्या बताई। कलेक्टर वर्मा ने दोनों को खरगोन आकर मिलने को कहा है। सरपंच को गांव की स्वच्छता के संबंध में निर्देश दिए हैं। साथ ही गांव के सुधार में ग्रामीणों की जिम्मेदारी लेने को भी कहा। उन्होंने कहा की मिलकर गांव को सुधारा जा सकता हैं और बिगाड़ा भी, आप लोग जैसा चाहेंगे गांव और गांव के लोग वैसा बनेंगे।

## पाठ नहीं याद करने मदरसा के टीचर ने 10 वर्ष के छात्र को पीटा, केस दर्ज

**माही की गूंज, रतलाम।**

जिले में मदरसा में पढ़ाने वाले टीचर पर 10 वर्ष के एक छात्र की पिटाई करने का आरोप लगा है। मदरसा टीचर ने छात्र की पिटाई इसलिए कर दी क्योंकि छात्र ने एक पाठ याद नहीं किया था। एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस वीडियो में नजर आ रहा है कि, एक शख्स लड़के के शरीर पर जख्म दिखा कर कहता है कि उसे मदरसा के शिक्षक ने पीटा है। पाठ नहीं याद करने की वजह से उसकी पिटाई की गई है। घटना बिरियाखेडी इलाके की है। इसके बाद शिकायत के आधार पर मदरसा के शिक्षक पर 10 वर्ष के लड़के की पिटाई और उसे गाली देने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। एडिशनल सुपरिटेन्डेंट ऑफ पुलिस राजेश खाका ने बुधवार को इस बात की जानकारी दी है।

आरोपी मदरसा टीचर का नाम हाफिज तोफिक खान है। पीड़ित छात्र मंदसौर का रहने वाला है। आरोप है कि, रतलाम के मदरसे में प्लास्टिक के पाइप से इतना पीटा कि उसके शरीर पर कई निशान बन गए। पिटाई के बाद बच्चे के परिजनों ने उसका वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर डाल दिया था।

शिक्षक तौफीक कुछ ही दिनों पहले मदरसे में आया था। इस कांड के बाद आरोपी शिक्षक को मदरसे से बाहर कर दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, वायरल वीडियो पर नजर पड़ने के बाद पुलिस ने इस मामले में जुवेनाइल एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। औद्योगिक थाने में शिक्षक तौफीक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पीड़ित बच्चे के रिश्तेदार मदरसा में काम करते हैं।

## ईव्हीएम डेमोस्ट्रेशन सेन्टर पर मतदान की ईव्हीएम मशीन पर प्रदर्शन के लिए मॉकपोल प्रक्रिया सम्पन्न

**माही की गूंज, शाजापुर।**

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी किशोर कन्याल द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के दिशा निर्देशानुसार शाजापुर जिले में ईव्हीएम-व्हीव्हीपीएटी के अवेयरनेस कैंपेन 10 जुलाई 2023 से प्रारंभ किए जाने के निर्देश के पालन में शाजापुर जिले में कलेक्ट्रेट बिल्डिंग में जिला मुख्यालय स्थित विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 167- शाजापुर में ईव्हीएम डेमोस्ट्रेशन सेन्टर स्थापित किया जाकर शुभारंभ किया गया। इसके अतिरिक्त जिले की अन्य विधानसभा क्षेत्रों 168- शुजालपुर एवं 169- कालापीपल के लिये अनुभाग मुख्यालय पर ईव्हीएम डेमोस्ट्रेशन सेन्टर स्थापित अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर के माध्यम से करवाया गया। जिला स्तर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, निर्वाचन पर्यवेक्षक एवं उपस्थित जनता द्वारा ईव्हीएम डेमोस्ट्रेशन सेन्टर पर मतदान की ईव्हीएम मशीन पर प्रदर्शन के लिए मॉकपोल प्रक्रिया की गई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा उपस्थित जनता से ईव्हीएम पर वोटिंग करने के संबंध में चर्चा की गई एवं उपस्थित जनता से मॉकपोल कराया गया एंव उनको मतदान की प्रक्रिया के लिये प्रोत्साहित किया गया एवं अपने मताधिकार के संबंध में बताया गया।

## पर्यावरण सहयोग संस्था ने कलेक्टर को पुष्प गुच्छ भेंट कर दी भावभीनी विदाई

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह का अलीराजपुर में लगभग 18 माह का कार्यकाल रहा, अपने कार्यकाल के दौरान सहयोग गार्डन में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह कई बार पधारे और ग्रीन सिटी क्लीन सिटी संकल्प के साथ संचालित गार्डन की सरहाना भी की थी। कलेक्टर राघवेंद्र का सहयोग गार्डन से लगाव था। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह जी का स्थानांतरण आगर मालवा कलेक्टर पद पर हो जाने पर उनके निवास पर पर्यावरण सहयोग संस्था अध्यक्ष आशुतोष दुबे, संरक्षक बालकृष्ण गुप्ता, सुनील कापड़िया, शिवा वाणी आदि सदस्यगण पहुंचे और कलेक्टर राघवेंद्र सिंह को पुष्प गुच्छ के साथ सहयोग गार्डन का प्रतीक चिन्ह भेंट कर भावभीनी विदाई दी।

## मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर कलेक्टर ने ली जिला अधिकारियों की बैठक

**माही की गूंज, बड़वानी।**

प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के 16 जुलाई को जिले के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर कलेक्टर डॉ राहुल फटिंग ने बुधवार को सुबह साढ़े 9 बजे कलेक्टर कार्यालय बड़वानी में जिला अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने बताया कि, मुख्यमंत्री 16 जुलाई को नागलवाड़ी पहुंचकर नागलवाड़ी उद्वहन सिंचाई परियोजना एवं पाटी उद्वहन सिंचाई परियोजना का लोकार्पण करेंगे। तत्पश्चात मुख्यमंत्री बड़वानी में रोड शो भी करेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर कलेक्टर ने नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करते हुए उनके दायित्व का भी निर्धारण किया है तथा उन्हें यह निर्देशित किया है कि सभी नियुक्त नोडल अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन बेहतर ढंग से करें।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ जगदीश कुमार गोमें, संयुक्त कलेक्टर सोहन कनाश एसडीएम बड़वानी घनश्याम धनगर सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं खंड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से उपस्थित थे।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने नागलवाड़ी सभा स्थल का निरीक्षण भी किया। बैठक के पश्चात कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग, पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद एवं जिला पंचायत सीईओ जगदीश कुमार गोमे ने जिला अधिकारियों के साथ नागलवाड़ी पहुंचकर कार्यक्रम स्थल, हेलीपेड स्थल, पार्किंग स्थल का भी निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए।

## पर्यावरण शिक्षा के साथ ग्रीन लंग्स फाउंडेशन ने वितरित किये आदिवासी बच्चों को 300 स्कूली बैग

**माही की गूंज, बड़वानी।**

पर्यावरण के क्षेत्र में बड़वानी में विगत 3 वर्ष से कार्य कर रही संस्था ग्रीन लंग्स फाउंडेशन द्वारा आशा ग्राम में पौधारोपण के बाद आदिवासी ग्राम कालाखेत में निजी भूमि लेकर पहाड़ी क्षेत्र में पौधा रोपण का कार्य कर रही है। ग्रीन लंग्स के संचालको सुनील दुबे, राजेन्द्र पिपरे व साथियों द्वारा अनएकेडमी के सौजन्य से आदिवासी क्षेत्र में बच्चों को स्कूली बैग वितरण के साथ साथ डॉ चक्रेश पहाड़िया के सौजन्य से दांतों की साफ सफाई की अवेरनेस हेतु टूथ पेस्ट व ब्रश एवम बिस्किट पैकेट वितरण की योजना बनाई गई। इसके लिए आदिवासी ग्रामो की निम्न शालाओं में जाकर स्कूली बैग एवम सामग्री वितरण की गई। माध्यमिक विद्यालय कालाखेत, प्राथमिक विद्यालय कालाखेत, प्राथमिक विद्यालय कांचली खोदरी, माध्यमिक विद्यालय कांचली खोदरी, प्राथमिक विद्यालय चुना भट्टी, माध्यमिक विद्यालय बड़गांव एवं प्राथमिक विद्यालय बड़गांव में जाकर 300 बैग वितरण सुनील दुबे, श्याम गुप्ता, राजेंद्र पिपरे, अनिल जोशी, सचिन शर्मा द्वारा किये गए। इस अवसर पर शालाओं के शिक्षक अभिषेक भावसार, अमर निगम, थानसिंग जमरे, श्याम जोशी, अशफाक शेख, मनोज केशरी ,रेखा बामनिया, दुर्गा चैहान, राजेंद्र चैहान द्वारा सहयोग दिया गया।

## मुख्य मार्गों व सब्जी मंडी में लगने वाले ठेलों पर की चालानी कार्रवाई

**माही की गूंज, खरगोन।**

शहर के मुख्य मार्गो एवं सब्जी मंडी में लगने वाले अनियंत्रित एवं अव्यवस्थित ठेलों पर बुधवार को राजस्व, नपा और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने कार्यवाही की है। इस दौरान शहर में कई जगहों पर प्रशासनिक अधिकारी सख्ती से पेश आए। मुख्य मार्ग पर लगने वाले ठेला संचालकों को साफ निर्देश देते हुए समझाइश दी गई है। साथ ही कई ठेला संचालकों पर चालानी कार्रवाई भी की है। वहीं नपा परिसर से सटी दुकानें को भी खाली करवाकर चालान बनाए गए। कार्रवाई के दौरान एसडीएम ओएन सिंह, नगर पालिका सीएमओ एमआर निगवाल, नपा टीम सहित पुलिस प्रशासन की टीम मौजूद रही।

## लॉज में सजा था सेक्स बाजार, पुलिस ने 6 लड़कों के साथ 8 लड़कियों को किया गिरफ्तार

**देवास।**

जिले के गरम मसाला लॉज में जिस्मफरोशी का धंधा चल रहा था। पुलिस ने छापामार कार्रवाई करते हुए एक दर्जन से अधिक युवक-युवतियों को आपत्तिजनक हालात ने पकड़ा है। यहां से पुलिस ने आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की है। पुलिस द्वारा दलबल कार्रवाई करने से गरम मसाला लॉज में हड़कंप सा मच गया था। यहां पुलिस ने अलग-अलग कमरों की तलाशी लेने पर युवक-युवतियों को पकड़ा है। जानकारी अनुसार यह सभी युवक और युवतियां देवास की ही बताई जा रही हैं।

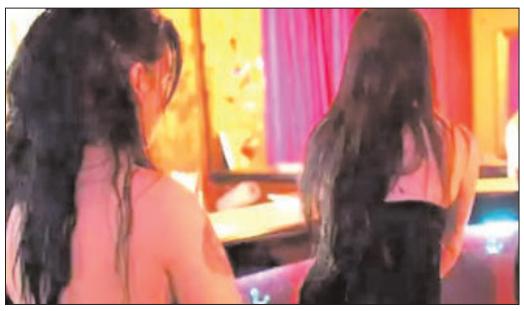

कोतवाली पुलिस ने बस स्टैंड पर स्थित गरम मसाला लॉज पर छापामार कार्रवाई करते हुए एक बड़े सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। यहां पुलिस ने 6 युवक और 8 युवतियां को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा है। पुलिस इस मामले में अभी जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि, मुखबिर से लगातार सूचना मिल रही थी कि हॉट गरम मसाला में जिस्मफरोशी का धंधा जोरों से चल रहा है। मुखबिर की सूचना को तस्दीक करने के लिए एक पुलिस के जवान को वहां ग्राहक बनाकर भेजा था। उसके द्वारा और एक हजार रुपए में तय कर थोड़ी देर से आने की बात कह कर जवान वहां से चला गया। इसके बाद जवान ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को सेक्स रैकेट की सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर कार्रवाई के लिए डीएसपी संजय शर्मा थाना प्रभारी दीपक यादव, थाना प्रभारी अजीत शर्मा के साथ पुलिस बल पहुंचा जंहा लाज के काउंटर पर रिसेप्शनिस्ट से पूछताछ की।

डीएसपी संजय शर्मा ने बताया कि, बस स्टैंड के पीछे स्थित काकडे मार्केट के प्रथम तल पर मंगलवार को पुलिस ने छापामार कार्रवाई करते हुए गरम मसाला से 14 लोगों को पकड़ा है। इस लाज में काफी दिनों से अनैतिक काम होने की सूचना मिल रही थी। इस लाज में 6 से 7 कमरे बने हुए हैं, जहां कार्रवाई के दौरान जय युवक और 8 युवतियां मिली हैं। इन सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं गरम मसाला लाज को सील करने के निर्देश भी दिए जा रहे हैं।

## वृक्षों के बिना धरती पर जीवन संभव नहीं- प्रधान जिला न्यायाधीश

**माही की गूंज, शाजापुर।**

मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ललित किशोर के मुख्य आतिथ्य में जिला कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, जिला पुलिस अधीक्षक यंशवत सिंह राजपूत, वनमण्डलाधिकारी मंयक चॉदीवाल के विशेष आतिथ्य में एवं विशेष न्यायाधीश मोहम्मद अजहर, जिला न्यायाधीश एवं सचिव राजेन्द्र देवड़ा की उपस्थिति में ÷पंज ज÷ अभियान के अंतर्गत वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन जिला न्यायालय परिसर के प्रवेश द्वार एबी रोड़ (हाईवे) पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे वन विभाग शाजापुर के सहयोग से लगाए गए।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ललित किशोर ने पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा कि, वृक्ष हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक हैं। वृक्षों के बिना धरती पर जीवन संभव नहीं है इसलिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाना चाहिए एवं उनकी देखरेख करना चाहिए।

जिला कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, जिला पुलिस अधीक्षक यंशवत सिंह राजपुत द्वारा पौधारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, हर उत्सव एवं खुशी के पल पर प्रत्येक व्यक्ति को वृक्षारोपण करना चाहिए। ऐसा अभियान चलाने की आवश्यकता है जिससे हम आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ पर्यावरण दे सके।

इसी श्रृंखला में जिला न्यायाधीश व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राजेन्द्र देवड़ा ने कहा कि, हमें विकास की अंधी दौड़ में ना दौड़ते हुए पोषणीय विकास की ओर ध्यान देना चाहिए। साथ ही हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को एक संतुलित पर्यावरण को उपहार में दे सके जैसा कि हमें हमारे पूर्वजों ने दिया है।

वनमण्डलाधिकारी मंयक चॉदीवाल ने बताया कि, वृक्षारोपण विषय, जाति, धर्म, वर्ग क्षेत्र आदि से परे है एवं प्राण वायु के लिए एकमात्र आधार है। इसलिए हमें समन्वित रूप से आंदोलन के तौर पर पौधारोपण करना और उनका संरक्षण करना चाहिए।

इस अवसर पर जिला न्यायाधीशगण शाजापुर, श्रीमती नीतुकांता वर्मा, प्रवीण शिवहरे, दिनेश कुमार नोटिया, अनिल कुमार नामदेव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आशीष परसाई, न्यायाधीशगण आदिल अहमद खान, अनिरूद्ध जैन, श्रीमती हर्षिता जैन, डॉ. स्वाती चौहान, सतीश कुमार शुक्ला जिला विधिक सहायता अधिकारी फारूक अहमद सिद्दीकी, कमल किशोर श्रीवास्तव, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ और अन्य अधिवक्तागण, न्यायालयीन अधिकारी, कर्मचारी, वनविभाग के अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों ने पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर सभी के द्वारा रोपित पौधों का संरक्षण करने का संकल्प लिया। साथ ही रोपे गए पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री-गार्ड की व्यवस्था वनविभाग द्वारा किए जाने पर प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष ने प्रशंसा की।

## कलेक्टर की जनसुनवाई बनी न्याय की पेड़ी, लगातार हो रहा लोगों की समस्या का हल

**माही की गूंज, रतलाम।**

कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी ने एक बार फिर संवेदनशीलता का परिचय देते हुए जनसुनवाई में एक आदिवासी महिला की परेशानी पर तत्काल कार्रवाई की। महिला को शासकीय वाहन से घर भी पहुंचाया। जिले के आदिवासी बाहुल्य सैलाना विकासखंड के ग्राम चेनपुरा की 50 वर्षीय दिव्यांग आदिवासी महिला भूलीबाई झोड़िया जनसुनवाई में अपने हिस्से की 3 बीघा भूमि पर रिश्ते के देवर द्वारा कब्जे की शिकायत लेकर कलेक्टर से मिली। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने अत्यंत गंभीरता के साथ संवेदनशीलता से महिला की शिकायत सुनी, तत्काल सैलाना एसडीएम मनीष जैन को निर्देशित किया कि महिला की भूमि पर उसको कब्जा दिलवाया जाए। कलेक्टर ने दिव्यांग महिला से पूछा कि वह यहां तक कैसे आई है, महिला ने बताया कि बस में सवार होकर आई है तब कलेक्टर ने जनसुनवाई में उपस्थित नायब तहसीलदार को निर्देश दिए कि वह अपने शासकीय वाहन में महिला भूलीबाई को सैलाना एसडीएम कार्यालय तक पहुंचाएं। सैलाना एसडीएम को निर्देश दिए कि वह सैलाना से अपने शासकीय वाहन से भूलीबाई को उसके घर तक पहुंचाएं और उसको कब्जा दिलाने की कार्रवाई तत्काल करें। यही नहीं कलेक्टर सूर्यवंशी ने रतलाम से शासकीय वाहन में भूलीबाई के साथ महिला अधिकारी उपसंचालक सामाजिक न्याय श्रीमती संध्या शर्मा को भी साथ भेजा। कलेक्टर की कार्रवाई से प्रसन्न होकर कलेक्टर सूर्यवंशी हृदय से धन्यवाद देती हुई शासकीय वाहन में अपने घर की ओर रवाना हुई।

जनसुनवाई में कलेक्टर सूर्यवंशी के समक्ष से 82 वर्षीय बुजुर्ग रमेशचंद कोटिया अपनी पीड़ा लेकर आए कि वह अकेले हैं उनका पुत्र उनके साथ नहीं रहता है, पत्नी की मृत्यु हो गई है। उनके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं। कलेक्टर ने उपसंचालक सामाजिक न्याय को निर्देशित किया कि बुजुर्ग की सामाजिक सुरक्षा पेंशन तत्काल स्वीकृति करवाई जाए। खाद्य आपूर्ति विभाग को बुजुर्ग को खाद्यान्न उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बुजुर्ग का बीपीएल कार्ड भी बनेगा, इसके अलावा बुजुर्ग को कलेक्टर द्वारा 2 हजार रूपए की आर्थिक सहायता भी तत्काल प्रदान की गई।

### कोरोना काल की स्कूल फीस मांग रही थी स्कूल, कलेक्टर ने किया निराकरण

ग्राम धरोला तहसील आलोट निवासी आवेदक प्रकाश शर्मा ने आवेदन दिया कि उसके पुत्र-पुत्री की एसएलसी प्राप्त की जाना है परंतु स्कूल प्रशासन द्वारा जबरन 25 हजार रूपए की मांग की जा रही है जबकि विवेकानंद विद्यालय की फीस आवेदक भर चुका है। स्कूल प्रशासन का यह कहना है कि कोरोना के समय तुमने फीस जमा नहीं की थी तथा इनके द्वारा 15 हजार बाकी बताए गए जिस पर मेरे द्वारा 13 हजार रूपए जमा कर दिए गए हैं और 2 हजार रूपए बाकी है जब मैं 2 हजार रूपए लेकर एसएलसी लेने के लिए गया तो वहां पर मुझसे 25 हजार रूपए की मांग की गई और एसएलसी देने से इंकार कर दिया है। इससे मेरे बच्चों का विद्यालयों में प्रवेश नहीं हो पा रहा है, उनकी पढ़ाई बाधित हो रही है। आवेदन पर एसडीएम को कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया।

### सूचना-पत्र

**श्रीमती हुकलीबाई पति हवजी वसुनिया निवासी ग्राम मोईवागेली, तहसील पेटलावद्र जिला झाबुआ**

**विरूद्ध**

**1- कालुसिंग पिता रामचन्द कटारा, निवासी अजबबोराली, तहसील पेटलावद, जिला झाबुआ**

आवेदक ..अनावेदक एतद् द्वारा आप अनावेदक (पक्षकार) को सूचित करने में आता है कि तहसीलदार पेटलावद के प्रतिवेदन अनुसार अलका पिता हवजी वसुनिया जाती भील, निवासी ग्राम मोईवागली, तहसील पेटलावद, जिला झाबुआ की दिनांक 23.02.2023 को कुएँ में डुबने से मृत्यु होने पर आर.बी.सी. 6-4 के तहत् इस न्यायालय द्वारा प्रकरण में सुनवाई जारी होकर आपके (अनावेदक) की उपस्थिति हेतु दिनांक 28/07/2023 नियत की गई है। आपको नियत दिनांक 28/07/2023 को इस न्यायालय में समझ में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य है। यदि आप नियत दिनांक 28/07/2023 को न्यायालय में मेरे समक्ष उपस्थित नहीं होते है, तो आपका प्रकरण में अपना पक्ष रखने का अवसर समाप्त कर दिया जावेगा, जिसकी संपूर्ण जवाबदारी आपकी रहेगी। मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से सूचना-पत्र जारी किया गया।

**अनुविभागीय अधिकारी अधिकारी (राजस्व) पेटलावद**
**जिला झाबुआ**

## नर्मदा-माही लिंक परियोजना की स्वीकृति पर जताया सीएम का आभार

# तहसील के साथ खेल स्टेडियम के लिए मुख्यमंत्री को दिया ज्ञापन

### पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने समर्थकों के साथ सीएम को भेंट किया नर्मदा-माही माता का चित्र

**माही की गूंज, धार/अमझेरा। विक्रमसिंह राठौर**

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की जन-दर्शन यात्रा के दौरान खरेली फाटे पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य कमल यादव ने किसान भाइयों और सेकडो युवाओं के साथ सीएम का भव्य स्वागत किया और नर्मदा माही लिंक परियोजना लागत 2 हजार 100 करोड़ की राशि मंजूर कर लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया। साथ ही अमझेरा को तहसील बनाए जाने, महाविद्यालय, मण्डी व खेल स्टेडियम के लिए मांग रखते हुए ज्ञापन दिया। इस अवसर पर किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष उकारलाल जाट, जिला महामंत्री रतन लाल पाटीदार, भाजपा नेता मुकेश राठौर, जनपद सदस्य बलराम मकवाना, जनपद सदस्य गलाल, युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष अर्पित शर्मा, किसान मोर्चा मण्डल महामंत्री मुकेश कुमावत, जिला कार्यकारणी सदस्य अंशुल राठौर, मंडल महामंत्री मुकेश पाटीदार, मंडल उपाध्यक्ष रालपाल चावड़ा, रवि प्रजापत, अंतिम मोदी, कार्तिक धंगाया, पूनमचंद पाटीदार, अरविंद जाट, मुकेश पटेल, कैलाश चौहान, सुनील जाट, मंडल महामंत्री शंकर देवड़ा, शंकर हामड, मुन्ना लाल यादव आदि अन्य कार्यकर्तागण मौजुद रहे।

इस अवसर पर कमल यादव एवं समर्थको के द्वारा पहले सीएम का स्वागत करते हुए गवली ब्रजवासी समाज के परपंरागत दुल्हे को पहनाए जाने वाला आकर्षक मोर पहनाया गया एवं माता नर्मदा-माही माता का चित्र भी भेंट किया।

# भूमिपूजन कर कार्य शुरू करवाना भूल गए भाजपा के बड़े-बड़े नेता...

### भाजपा नेता आईने में लड्डू दिखाने का कर रहे कार्य

**माही की गूंज, जोबट। अनिल हरवाल**

जोबट विकासखंड के अंतर्गत आने वाला ग्राम बड़ागुड़ा पटेल फलिया की प्राथमिक स्कूल भवन क्षतिग्रस्त होने के कारण गांव के लोगों के द्वारा शिक्षा विभाग में कई बार शिकायत करने के बाद राज्य सरकार ने शिक्षा विभाग को भवन निर्माण बनाने के लिए अनुमति तो दे दी लेकिन अभी तक भवन निर्माण के लिए फंड राज्य सरकार द्वारा नहीं दिया गया। जिसके चलते भाजपा के नेता प्राथमिक स्कूल भवन का भूमि पूजन तो कर गए लेकिन अभी तक कार्य चालू नहीं किया गया। जिसका खामियाजा स्कूल में पढ़ने वाले छोटे-छोटे बच्चे जोबट से अलीराजपुर मार्ग पर 1 किलोमीटर दूर पैदल चलकर स्कूल जाते हैं। जिसके चलते छोटे-छोटे बच्चे सड़क के किनारे चलते-चलते इधर उधर भी दौड़ने लगते हैं। जिसके चलते हादसा हो सकता है। तो जिम्मेदार कौन रहेगा। वही पर भाजपा सरकार केवल आईने में लड्डू दिखाने का कार्य कर रही है। हम ऐसा इसलिए कह रहे है क्योंकि, प्राथमिक स्कूल बडा गुड़ा के भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन 3 से 4 माह पहले किया था लेकिन अभी तक वहां पर कार्य चालू नहीं हुआ। जोबट विकासखंड मे एक प्राथमिक स्कूल भवन निर्माण के लिए भाजपा के कई बड़े नेता जैसे सांसद गुमानसिंह डामोर, विधायक प्रतिनिधि विशाल रावत के साथ कई भाजपा नेता मिलकर अलग-अलग स्थानों पर जाकर प्राथमिक स्कूलों के भवन का भूमि पूजन के कार्य किए लेकिन आज तक एक भी कार्य चालू नहीं हुआ।

# युवक को तलवे चाटने पर किया मजबूर, 2 अपराधियों पर लगी रासुका

**ग्वालियर।**

चार पहिया वाहन में बर्बरता से मारपीट करने और तलवे चटवाने वाले दो गुंडों पर रासुका लगाई गई है। पूछताछ में दोनों गुंडों ने पुलिस को बताया कि, इनके कहने पर ही मुख्य आरोपी ने मोहसिन खान से कार में बर्बरता की थी। उसे पहले चप्पलों से पीटा फिर तलवे चटवाए, जिस वाहन में बर्बरता हुई, वह इन्हीं गुंडों का है। दोनों पर पूर्व में बस लूट, आर्म्स एक्ट, डकैती जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं।

ग्वालियर में युवक से बर्बरता कर तलवे चटवाने का वीडियो पूरे प्रदेश में चर्चित रहा था। सीधी कांड के बाद ग्वालियर में बर्बरता का यह वीडियो सामने आने से पुलिस अलर्ट हुई थी। पुलिस ने शनिवार दोपहर तक मुख्य आरोपी, अमित गुर्जर, तेजेंद्र गुर्जर और सुदीप गुर्जर को पकड़ लिया था। मुख्य आरोपी को कोर्ट में पेश कर बाल सुधार गृह भेजा गया है। उसकी उम्र 17 वर्ष 11 माह बताई गई है। सुदीप को जेल भेज दिया गया।वारदात में शामिल अमित पर पूर्व के दो और तेजेंद्र पर छह अपराध दर्ज हैं।

ग्वालियर एसपी राजेश सिंह चंदेल ने बताया कि, वारदात की प्लानिंग अमित और तेजेंद्र ने की थी। 23 जून को आरोपितों ने पहले शराब पी। मुख्य आरोपित को भी शराब पिलाई। प्लानिंग से करण गोस्वामी को मिलेनियम प्लाजा के पास से अगवा किया।उससे फोन कर मोहसिन उर्फ मंत्री खान को बुलवाया।इसके बाद उसे भी चार पहिया वाहन में अगवा कर बर्बरता की थी। वाहन तेजेंद्र गुर्जर का है। ऐसे में इन दोनों आदतन अपराधियों के खिलाफ एनएसए की कार्रवाई की गई है।

इस अमानवीयता का मामला सामने आने के बाद लगभग 2 महीने पुराना एक और वीडियो वायरल हुआ था।जिसमें आरोपी बनाए गए गोलू गुर्जर के साथ आधा दर्जन लोग लाठियों से मारपीट करते हुए नजर आ रहे हैं। यह घटना 21 मई 2023 की है। जब गोलू डबरा में एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। तब बाहर गली में खड़े कुछ लोगों से उसका विवाद हुआ। वही हमलावरों ने गोलू गुर्जर के ऊपर लाठियों से प्राणघातक हमला किया था। पूरी घटना के दो सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। लहूलुहान हालत में गोलू गुर्जर का बयान भी सामने आया है।जिसमें वह हमलावरों में मोहसिन उर्फ मंत्री खान लाला पंडित वंश पाठक सहित उनके तीन अन्य साथियों के नाम बता रहा है।

इस घटना के बाद बदला लेने के लिए गोलू गुर्जर और उसके साथियों ने 30 जून को मोहसिन खान पर स्कॉर्पियो जीप में हमला किया था और उसे जूते से पीटने के बाद उससे अपने पैरों के तलवे भी चटवाए थे।

# राजपूत समाज ने आयोजित किया कलेक्टर का विदाई समारोह

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

जिले के कलेक्टर राघवेंद्र सिंह का स्थानांतरण आगर मालवा हो जाने पर राजपूत समाज सदस्यों ने कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के साथ ही पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी उपस्थित रहे। राजपूत समाज के द्वारा सम्मान कार्यक्रम संस्कार धाम वाटिका में आयोजित किया गया। जहां पर बड़ी संख्या में राजपूत समाज के समाज सदस्यगण उपस्थित रहे। अतिथियों का सर्वप्रथम राजपूती साफा पहनाकर समाज जन ने स्वागत किया गया साथ ही समाज के सदस्यों के द्वारा पुष्प माला पहना कर भी कलेक्टर के अलावा अन्य अतिथियों का स्वागत किया गया। राजपूत समाज के प्रभारी अध्यक्ष रिंकेश तवर एवं सृष्टि मंडल के अध्यक्ष एडवोकेट रमण सोलंकी ने कलेक्टर को बताया कि, संस्कार धाम वाटिका में 36 प्रकार के ओषधीय पौधे है, जो कई बीमारी में उपयोगी है। साथ ही कहा कि, सरल एवं सौम्य स्वभाव के धनी है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह इनके कार्यकाल के दौरान इन्होंने सभी की हेल्प की है, सहयोग किया है और एक अमिट छाप इस अलीराजपुर जिले में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह जी ने छोड़ी है। इनके कार्यकाल को कोई नहीं भूल सकता है नहीं भुला जा सकता है जन हितेषी कार्य अधिक किए गए हैं। जिले में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कई कार्य किए जिससे मध्य प्रदेश में जिला कई योजनाओं में प्रथम आया है।

पुलिस अधीक्षक हंस राज सिंह एवं जिला पंचायत सीओ अभिषेक चौधरी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, कलेक्टर के साथ में काम कर बहुत कुछ सीखने को मिला है। इनके द्वारा दिया गया अनुभव हमें आगामी दिनों में इस क्षेत्र में इस जिले में काम करने में बहुत उपयोगी साबित होगा।

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, इस जिले में काम करने के लिए बहुत कुछ है, बहुत संभावना है। राजपूत समाज जनो ने यह बहुत ही अच्छा गार्डन

डेवलप किया है, यह कई ओषधीय पौधे भी है जो की गुणकारी है। क्योंकि मैंने यह पूर्व में आकर देखा है और सुना है कि राजपूत समाज के जो वरिष्ठ हैं, युवा हैं, महिलाएं सभी लोग इस गार्डन में सुबह-शाम आते हैं घूमने के लिए आते है, औषधि पौधों का उपयोग करते हैं, इस गार्डन में आकर अपना पल लगता है, में आभारी हु जो मुझे इतना सम्मान दिया। राकेश चौहान एवं ओम शांति परिवार के सदस्य अरुण गहलोत के द्वारा कलेक्टर राघवेंद्र जी को मोमेंटो भेट किया गया। कार्यक्रम के अंत में यतेंद्र सोलंकी ने अतिथियों सहित सभी का आभार माना। संचालन संस्कार धाम वाटिका के अध्यक्ष नरेश वाघेला और योगेश सोलंकी द्वारा किया गया।

# जेलर ने बदली मासूम की जिंदगी, जेल से रोज पढ़ने जाएगी कैदी की बेटी

**दमोह।**

जिले के हटा उप जेल में अपने माता पिता के साथ रह रही चार वर्ष की एक मासूम बेटी अब स्कूल जाएगी। यह बच्ची एक वर्ष की उम्र में अपने माता पिता द्वारा किए गए अपराध की सजा उनके साथ जेल में रहकर काट रही है। दमोह जिले के हटा तहसील अंतर्गत एक गांव के रहने वाले प्रहलाद लोधी और उसकी पत्नी हटा उप जेल में हत्या के आरोप में निरुद्ध हैं। उनके साथ उनकी बच्चे जो वर्तमान में 4 वर्ष की है, वह भी तीन वर्ष पूर्व उनके ही साथ जेल में आई थी।

प्रतिदिन की भांति जेल का निरीक्षण करने के दौरान, जब हटा उप जेल के जेलर की नजर बेटी पर पड़ी, तो उन्होंने उसे पढ़ाने का इच्छा जाहिर की। इसके बाद समस्त स्वीकृतियां लेकर उस बेटी का फटाके निजी स्कूल में दाखिला कराया गया। दाखिले के बाद अब यह बेटी रोज ही अध्ययन करने के लिए स्कूल जाएगी और छुट्टी के बाद वापस जेल आएगी। जेलर की इस पहल की सभी लोग सराहना कर रहे हैं।

जेलर नागेंद्र चौधरी ने बताया कि, दस जुलाई को जेल के निरीक्षण के दौरान एक अबोध बालिका से उनका सामना हुआ। उन्होंने उससे पूछा स्कूल में पढ़ने जाना है, मासूम ने स्वीकृति में सिर हिला दिया, लेकिन उसे जेल से अपनी मर्जी से सीधे किसी स्कूल भेज देना जेल मैनुअल के हिसाब से उचित नहीं था। उसकी इच्छा का सम्मान करते हुए जेलर ने सबसे पहले उसके माता-पिता आरती एवं प्रहलाद लोधी से उसकी सहमति प्राप्त की। इसके बाद पूरी कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए न्यायालय से अनुमति प्राप्त की और अपने खुद के बच्चों के साथ उसका नाम स्कूल में लिखवा दिया।

जेल में अपने माता-पिता के साथ बंद इस चार वर्षीय बच्ची का कल स्कूल का पहला दिन था। जेल मैनुअल के अनुसार निर्धारित समय पर उसे स्कूल भेजा जाएगा और स्कूल से वापस लाया जाएगा। साथ ही जेल में स्थित भोजनशाला से ही तैयार लंच उसके स्कूल बैग में रखा जाएगा। मासूम के माता-पिता हटा उप जेल में पिछले तीन वर्ष से हत्या के आरोप में निरुद्ध हैं। इनके परिवार में इनके अलावा किसी अन्य जिम्मेदार के ना होने के कारण भी यह बच्ची अपने माता-पिता के साथ जेल में ही बंद है।

# क्षेत्र में हुई हल्की वर्षा किंतु हथिनी नदी किनारे से लगकर बह निकली

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

विगत सप्ताह से बारिश का इंतजार कर रहे कृषकों को क्षेत्र में 10 जुलाई की रात से हो रही रिमझिम वर्षा से राहत मिली है। कम बारिश के बावजूद हथनी नदी के ऊपरी क्षेत्रों में हुई जोरदार बारिश के कारण 11 जुलाई की सुबह 9 बजे नदी में पानी की आवक बढ़ जाने से हथनी नदी किनारे से लगकर बह निकली जिससे कृषकों में हर्ष व्याप्त है।

इस वर्ष क्षेत्र में वर्षा ने लंबा इंतजार कराया लगभग 15 दिनों की देरी से आया मानसून रिमझिम बारिश लेकर आया। जबकि क्षेत्र में तेज बारिश की जरूरत महसूस की जा रही है। खेतों में बोया गया बीज अंकुरित हो चुका है जिसे पानी की सख्त जरूरत है। इंतजार के बाद 10 जुलाई की रात रिमझिम वर्षा का क्रम जारी रहा। आम्बुआ क्षेत्र में हालांकि कम वर्षा हो रही है इसके बावजूद क्षेत्र की हथिनी नदी में 11 जुलाई की सुबह 9 बजे अचानक ही तेज बहाव देखा गया नदी क्षेत्र के ऊपरी क्षेत्र में झमाझम वर्षा होने के कारण हथनी नदी में किनारों तक जल बह निकला। जिससे जल संग्रहण क्षेत्रों में जल स्तर बढ़ेगा विशेषकर फाटा डेम में जलस्तर बढ़ने की संभावना बढ़ गई है। क्षेत्र में हथनी में बढ़े जलस्तर को देखने लोग उमड़ पड़े। इस अचानक आए पानी के कारण नवीन बैराज में ऊपर तक कचरा कूड़ा तैरता दिखाई दिया।

# आदिवासियों की बुनियादी सुविधाएं अभी भी अधूरी, आदिवासी पलायन करने पर मजबूर

**माही की गूंज, जोबट।**

जोबट विधानसभा क्षेत्र 192 की आदिवासी बहुल जोबट के मुद्दे तो बहुत हैं। मगर सबसे बड़ा मुद्दा स्थानीय स्तर पर स्थाई रोजगार न होने से पलायन बड़ा मुद्दा है। आज भी इस क्षेत्र की बड़ी आबादी को काम के लिए अन्य प्रांतों में जाना पड़ता है। स्वास्थ्य सुविधाएं बेहद लाचार हैं तो वही पर स्कूलों में पढ़ाने के लिए शिक्षकों का भी अभाव कम है। बुनियादी सुविधाओं की बात करें तो हर मोर्चे पर अभी तक यह क्षेत्र पिछड़ा हुआ है। यह सीट लंबे समय तक कांग्रेस का गढ़ रही है। 2003 की भगवा लहर में यहां समीकरण बदल गए और यहा पर भाजपा से विधायक माधोसिंह डावर जीत हासिल की थी। पिछले विधानसभा चुनाव (2018) में यहां कांग्रेस की कलावती भूरिया ने वापसी की थी। हालांकि कोविड के कारण तत्कालीन विधायक कलावती भूरिया का निधन हो गया था। उसके बाद यहां हुए उपचुनाव में फिर से भाजपा ने इस सत्ता पर कब्जा कर लिया और कांग्रेस के बाद यहां भाजपा प्रत्याशी सुलोचना रावत को भी पर्याप्त अवसर मिला है। हालांकि विकास की मुख्यधारा में यह क्षेत्र अब तक नहीं आ पाया है। मुख्यमंत्री की कई घोषणाओं के बाद भी आज तक यहां न तो स्नातकोत्तर महाविद्यालय बना, न सिविल अस्पताल और न ही खेल मैदान की सौगात मिल सकी। ऐसा नहीं है कि क्षेत्र में विकास कार्य नहीं हुए। पक्के मकान, सड़कें, बिजली, पानी आदि सुविधाएं पहले से बेहतर जरूर हुई हैं, लेकिन इनमें भी काफी सुधार की जरूरत है। विधानसभा के नगरीय क्षेत्रों में अतिक्रमण बड़ी समस्या है। साथ ही जोबट में शासन द्वारा लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई सब्जी मंडी आज भी वीरान पड़ी हैऔर कही वर्षों से बनी अनाज मंडी भी वीरान पड़ी हुई है। इन दोनों मंडी में अभी तक ना ही कांग्रेस सरकार ने कुछ किया है और न भाजपा सरकार ने कुछ किया है। जिसका खामियाजा भोले भाले आदिवासी किसान लोगों को भरना पड़ रहा है। कई बार कार्रवाई करने के बाद भी अतिक्रमणकारी और स्थानीय सब्जी विक्रेता जस का मस नहीं होता दिखा हैं। जिसके कारण आए दिन

### न तो गांवों की स्थिति सुधरी न ही शहर की

नगरीय क्षेत्र के नगरवासियों को जाम जैसी समस्या से झूझना पड़ता है। स्वास्थ्य सेवाए लाचार होने के चलते गंभीर बीमारी के लोगों को सीमावर्ती राज्य गुजरात या अन्य प्रदेश के बड़े शहरों की ओर रुख करना पड़ता है। आकस्मिक दुर्घटना होने पर मरीजों को अन्य राज्य मे रेफर कर दिया जाता है। तत्कालीन इलाज न मिलने से मरीज कई बार रास्ते में ही दम तोड देते है। मतांतरण इस क्षेत्र में तेजी से हो रहा है। जिस पर भी भाजपा की सरकार रोक नहीं लगा पाई है। हालाकि वर्तमान विधायक की ओर से विकास को लेकर कई दावे किए जा रहे हैं। लेकिन विपक्ष इन दावों को खोखला बता रहा है।

### विधायक ने गिनाईं उपलब्धियां...

वर्तमान विधायक सुलोचना रावत ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए बताया कि, 1.43 करोड़ रुपये के 88 पानी टैंकर वितरित किए। 21.20 करोड़ रुपये के बैराज के निर्माण हुए। 4 सीएम राइज स्कूल स्वीकृत कराए गए। 300 करोड़ रुपये के 9 नए छात्रावास निर्माण। 80 करोड़ की लागत से 92 किमी सड़क निर्माण। 619 हितग्राहियों को 32.57 लाख रुपये स्वेच्छानुदान राशि के रूप में स्वीकृत किए गए। 700 करोड़ रुपये के विद्युतीकरण कार्य मंजुर कीए गए।

### स्थति वही ढाक के तीन पात

वहीं जोबट विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख मुद्दे महंगाई, बेरोजगारी और पलायन की समस्या आज भी विद्यमान है। योजनाओं के सही तरीके से क्रियान्वयन नहीं होने से आम जनता परेशान है। एक करोड़ रुपये की लागत से जोबट में बने नए बस स्टैंड स्थित नगर परिषद की दुकानें नीलाम होने के बाद भी सिर्फ एक दुकान को छोड़कर सभी दुकानें बंद पड़ी हैं। जिसके कारण यहां हर समय विरानी नजर आती है। साथ ही मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है। मुक्तिधाम पहुंच मार्ग नही होने से शवयात्रा को ले जाने में काफी दिक्कतें आती हैं। जोबट नगर के मुख्य बाजारों में सार्वजनिक सुविधाघर नही है। विधानसभा के ग्राम आंबुआ से सेजावाड़ा गुजरात सीमा तक टू लेन मार्ग का काम लंबे समय से कागज पर ही सिमटा हुआ है। गरीबों के लिए पांच रुपये में भोजन हेतु प. दीनदयाल उपाध्याय भोजनशाला बंद पड़ी है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल योजना के काम आज भी अधूरे हैं। लंबे समय से यहां मतांतरण की गतिविधियां चल रही हैं। आदिवासियों को लालच देकर और बीमारी ठीक करने के नाम पर मतांतरण किया जा रहा है। जिस पर रोक लगाने में सरकार नाकाम रही है।

**आखिर हम किस दिशा में...?**

# 2 मार्च को माता-पिता की कसम खाकर कहा जयेश है मेरा भाई और 27 जून को बताया जयेश को बलात्कारी

**ढोंगी पंडित जितेंद्र व्यास के माध्यम से नवविवाहिता ने पति व परिवार को वशीभूत करने के लिए कर रही थी टोटके, अपनी इच्छानुसार नहीं बनी बात तो किया बलात्कार का मामला दर्ज**

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ/खवासा। यह तो तय है कि, हम किस दिशा में जा रहे हैं यह हम तय नहीं कर पाते हैं। वहीं युवा साथी भी अपने भविष्य को साधने के बजाय ऐसी कुंसगति में पड़ जाते हैं कि, अपने भविष्य को उज्जवल बनाने के बजाय दलदल में धंसे जा रहे हैं और उससे उभरना जीवन में मुश्किल सा हो जाता है। खासकर युवा कम उम्र में ही बढ़ती उम्र के साथ अपने शारीरिक बदलाव के चलते लड़के और लड़की एक दूसरे में आकर्षण के कारण गलत कदम उठाए जाने के साथ अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ करने में कोई चूक नहीं कर रहे हैं। जिसके कई मामले देखे जा चुके हैं।

हमारी कलम किसी भी स्थिति में किसी के भी अवैध संबंधों को सही नहीं ठहराती हैं। लेकिन ऐसे अवैध संबंधों के चलते किसी संत ने महिला व पुरुष की व्याख्या कर बताया कि, बेटी एक हीरे के समान होती है अगर हीरा गलती से भी गिरकर टूट जाए तो हीरे का कोई मूल्य नहीं रहता है इसलिए हीरे को पेटी में अवैर कर सलामत रखा जाता है। बेटी को हीरे तुल्य मानकर बेटी के माता-पिता उसे बेटे की तुलना में ज्यादा घर में नियंत्रण कर पेटी रूपी संस्कारों के साथ उसे रखा जाता है। वही पुरुष की व्याख्या कर संत ने बताया कि, एक पुरुष लोहे के उस सरिये की तरह रहता है जिसे बाहर खुल्ले में भी रख दिया जाए तो उस सरिये का मूल्य कम होकर भी कितना होगा।

अवैध संबंधों एवं भटकते युवाओं के कदमो को संवारने के लिए हमारी कलम ने पूर्व में भी कई समाचार प्रकाशित किए हैं। तय है हर मामला व घटना का स्वरूप अलग होता है और हमारी कलम ऐसे संवेदनशील मामलों पर भी गंभीरता के साथ समाज को आईना दिखाने में कभी पीछे नहीं रही है। युवाओं के भटकते इसी कदमों के साथ जिले के खवासा में जहां एक सभ्य एवं ऐसे पारिवारिक संबंध की एक-दूसरे के यहां कोई भी खुशी का पल हो या फिर कोई दुख की घड़ी हो दोनों परिवार एक-दूसरे के लिए खड़े रहते थे और वह सालों के संबंध आज युवाओं के भटकते कदमों के साथ तार-तार हो गए।

खवासा निवासी झमक रावत (पाटीदार) जो कि, ग्राम में धार्मिक एवं पुरी तरह से शांत व्यवहार का व्यक्तित्व होकर अपना व्यापार करता है। झमक पाटीदार का एक पुत्र व एक पुत्री है। पुत्र जयेश, जिसकी शादी जनवरी 2017 में एक सक्षम व सभ्य परिवार निवासी रतलाम के यहां हुई। वही झमक पाटीदार भी आर्थिक रूप से संपन्न है। वहीं दूसरी और ग्राम के ही राजेंद्र खैर (पाटीदार) जो भी एक सभ्य एवं शांत व्यवहार का व्यक्तित्व है और उक्त दोनों परिवार कें अपने सगे भाई परिवार से भी अत्यधिक आपसी में पारिवारिक संबंध रहे हैं। राजेंद्र खेर की इकलौती संतान उसकी लड़की (बदला हुआ नाम) कविता (22) जो की ग्रेजुएट है। जिसकी 3 माह पूर्व 5 मार्च को कोद निवासी जय... पाटीदार जो की ग्रेजुएट होकर एक सभ्य एवं समाज में सम्मानित परिवार के यहां शादी की गई।

### शादी होते ही पति व परिवार को वशीभूत करने के लिए किये नवविवाहिता ने टोटके

नवविवाहिता बदला हुआ नाम कविता ने ऐसी कविता रची कि शायद किसी नवविवाहिता ने शादी होते ही अपने पति व परिवार को वशीकरण करने के लिए ऐसा नहीं किया होगा और यह टोटके रूपी कृत्य किसी और के सहयोग से नहीं बल्कि राजेंद्र खेर के मकान में काफी समय से किराए से रह रहे ढोंगी पंडित जितेंद्र व्यास झकनावदा वाले के बताए टोने-टोटके अनुसार किया गया। जितेंद्र व्यास जो कि, टोने-टोटके के मामले में क्षेत्र में प्रख्यात है और हर काम ढोंगी जितेंद्र व्यास उसके टोने-टोटके के माध्यम से सफल होने का दावा करता है और इसी दावे के साथ अपना पैत्रक गांव झकनावदा में टोन-टोटके किए जाने पर मामला गरमाया था और पंचायती होने के बाद अपनी पत्नी व बच्चों के साथ पिछले करीब 8 से 10 वर्षों से खवासा में निवासरत है।

### पंडित, जिसके यहां रहा व खाया उसी के घर को किया बर्बाद

### अब है खवासा से लापता

कविता, अपने पिता के मकान में रहने वाले किराएदार ढोंगी पंडित जितेंद्र व्यास से उसकी शादी के बाद खवासा आने पर संपर्क किया और अपने पति व परिवार सिर्फ कविता कहे वही काम वे करें, जहां कहे उठ जाए और जहां कहे बैठ जाए ऐसी मंशा पंडित के समक्ष रखी। जिस पर ढोंगी पंडित ने जहां पर खाया उसी का घर बर्बाद करते हुए अपने ही मकान मालिक की बेटी को अपने टोने-टोटके के माध्यम से जिस तरह से अपने पति व परिवार के सदस्यों को अपने वशीकरण में करना चाहती थी वह सौ प्रतिशत हो जाएगा के लिए आश्वस्त किया। जिसके बाद पंडित के द्वारा मंत्रोप्रचार कर टोने-टोटके करते हुए खिल्ले व कुछ अन्य सामग्री कविता को दी। उक्त सामग्री व खिल्ले ढोंगी पंडित के द्वारा बताए गए दिशा निर्देशानुसार अपने ससुराल में जाकर खिल्ले को गाड़ रही थी जिसे सास ने देख लिया और मामला यहां तक पहुंच गया कि, एक-दो नहीं बल्कि तीन घरों को तहस-नहस कर दिया।

सास ने बहू को टोने-टोटके करते हुए देखने के बाद पुत्र व परिवार को बताया। जिसके बाद परिवार ने लड़की के पिता राजेंद्र खेर को फोन लगा कर कहा कि, आपकी बेटी यहां टोने-टोटके कर रही है, आकर ले जाओ। वही कविता ने टोने-टोटके की बात उजागर होने के बाद खुद को कमरे में बंद कर लिया और ढोंगी जितेंद्र पंडित को पूरे मामले से बचाने की गुहार लगाकर एक-दो बार नहीं करीब 70 से अधिक बार फोन किए जिसमें करीब 4 से 5 बार ही कुछ सेकंड बातकर पंडित ने अपनी कन्नी काट ली। वही पंडित द्वारा फोन नहीं उठाए जाने पर 5 से 7 बार जयेश पाटीदार व उनके यहां काम करने वाला लड़का बबलू को भी पंडित से संपर्क करने के लिए फोन किए। उक्त सारी बातें खवासा आने के बाद लड़की के पिता एवं परिवार के माध्यम से पता चली। साथ ही कई चौंकाने वाली बात सामने आई जो कोई सोच भी नहीं सकता था। लड़की ने जयेश के साथ 2018 से अपने प्रेम-प्रसंग की बात उजागर की।

जयेश के पेश होने के बाद न्यायालय ले जाती पुलिस।

### बात नहीं जमी तो हुआ बलात्कार का मामला दर्ज

टोने-टोटके के साथ ही जैसे ही बात जयेश व बदला हुआ नाम कविता के साथ प्रेम प्रसंग की बात खवासा एवं क्षेत्र में उजागर हुई तो हर कोई अचंभित रह गया और सामाजिक स्तर पर आपसी समाधान के लिए बैठके भी हुईं। जिसके लिए कोद निवासी ने तो लड़की के साथ रिश्ता रखने से ही इंकार कर दिया और हाथों-हाथ 3 माह पूर्व ही हुई शादी का रिश्ता तोड़ आपस में एक-दूसरे को दिया सामान गाड़ियों में भरकर रवाना कर दिया। वही लड़की व लड़की के पिता परिवार समाज के पंचों के बीच विवाहित जयेश पाटीदार पर दूसरी पत्नी के रूप में कविता को रखने की मंशा रखी गई। पत्नी बनाकर नही रखने पर सम्पति में बराबर का हिस्सा देने की बात समाज के पंचों के बीच रखी गई। वहीं झमक पाटीदार की ओर से पुत्र जयेश किसी भी स्थिति में दूसरी पत्नी के रूप में रखने से इंकार कर दिया। वही जयेश के ससुर ने कविता को एक अच्छे घर में विवाह करने का आश्वासन दिया की चर्चा भी बाजार में है। लेकिन लड़की एवं परिवार, जयेश व उसके परिवार पर दूसरी पत्नी बनाने का दबाव बनाते रहे या फिर संपत्ति में बराबर का हिस्सा देने की बात रखी।

ढोंगी पंडीत जूते खाकर भी नही सुधरा और एक बार फिर अपने टोने-टोटके कर किया 3 घरो को तहस-नहस।

### शादी के पूर्व कविता कहती तो बना लेते बहू व सौतन

सारी बातें सामने आने के बाद प्याज के छिलके की तरह उक्त मामले में बातें सार्वजनिक पूरे बाजार में होने लगी और चर्चाओं के इस दौर में यह भी बात सामने आ रही कि, मेहंदी वाले दिन शादी के पूर्व 2 मार्च की रात में करीब 11 बजकर 18 मिनिट पर कविता ने जयेश के मोबाइल पर अपने ही परिवार के एक भाई के मोबाइल से एक मैसेज किया। यह मैसेज जयेश की पत्नी द्वारा अपने पति के मोबाइल में देर रात को आए मैसेज पर आपत्ति जताते हुए सीधे फोन से बात की, तो मैसेज मजाक में करना कविता ने बताया। लेकिन जयेश की पत्नी, कविता के जवाब से संतुष्ट नहीं हुई तो दूसरे दिन सीधे कविता के परिवार के भाई बंधु के सामने मैसेज का कारण पूछा व हकीकत कविता से जानना चाही, तो कविता ने कहा मैंने भाभी आपको चिढ़ाने के लिए यह मैसेज मजाक में भेजा था जयेश मेरा भाई है और मेरे माता-पिता की कसम खाकर कहती हूं मेरा जयेश के साथ कोई गलत संबंध नहीं है। आप कहे तो मैं सबके सामने जयेश को राखी बांध दूँ।

उक्त मामला उजागर होने पर व पत्नी बनाकर कविता को रखने की बात पर जयेश की पत्नी, उसके पिता व परिवार ने समाजजनों के समक्ष यही रखा की शादी के पूर्व कविता इनके आपसी प्रेम प्रसंग की बात उजागर करती और जयेश के साथ रहने की बात करती तो उसका भी समाधान सामाजिक रूप से करते। वही जयेश की पत्नी भी खुले मन से कह रही है कि, 2 मार्च को जब मैंने कविता द्वारा भेजे गए मैसेज की हकीकत जानना चाही तो उसने उसके माता-पिता की कसम खाकर मेरे पति को भाई बताया व सार्वजनिक रूप से राखी बांधने की बात कही। इस स्थिति में अब मेरी सौतन में कैसे बना लूं अगर शादी के पूर्व कविता मेरे पति के साथ प्रेम प्रसंग होने की बात बताती तो उस स्थिति में मैं, सामाजिक रूप से लिए जाने वाले हर निर्णय को स्वीकार करती। वही माही की गूंज कार्यालय पर लड़की के पिता से हुई चर्चा में लडकी के पिता ने भी स्वीकार किया कि गलती जयेश व मेरी लड़की दोनों की है।

### यह दर्ज की रिपोर्ट, गलती दोनों की तो सजा एक को क्यों...? की चर्चा जोरों पर

पूरे मामले में जब लड़की व लड़की पक्ष की बात नहीं बनी तो वकील के माध्यम से जयेश के विरुद्ध थांदला थाने में एक रिपोर्ट दर्ज की जिसमें 2018 से जयेश के साथ लड़की के संबंध होना सामने आया। जिस पर थांदला पुलिस ने धारा 366, 376, 376(2)एन, 506 व धारा 5 एल/6 पास्को एक्ट का मामला दर्ज किया गया।

27 जून को थांदला थाने में रिपोर्ट दर्ज की जिसमें बताया कि, श्रीमान थाना प्रभारी महोदय थाना थांदला जिला झाबुआ विषय-बलात्कार की रिपोर्ट दर्ज करने बाबद। महोदय निवेदन है कि, मैं बदला हुआ नाम कविता पति जय... पाटीदार 22 वर्ष निवासी कोद जिला धार हाल मुकाम.... रहती हूं। मैं बी.ए. फाइनल तक पढ़ी लिखी हूं मैं घरेलु काम करती हूं जयेश पिता झमकलाल रावत निवासी खवासा का मेरा गांव का ही होने से उसका मेरे घर पर पहले से आना जाना था। इसलिए मैं उसे पहले से जानती थी, वर्ष 2018 में जयेश ने मुझे प्रपोज किया था तब मैंने जयेश को मना कर दिया था। उसके बाद जयेश ने मुझे तीन-चार बार प्रपोज किया था मैंने जयेश को बोला था कि, तू शादीशुदा है मुझे तुमसे बात नहीं करना है तब जयेश ने कहा कि मैं, मेरी पत्नी को तलाक दे दूंगा और तुमसे शादी कर लूंगा आज से करीबन 5 साल पहले मुझे खवासा बाजार में जयेश मिला और बोला कि, तू आज मेरे घर आना घर नहीं आएगी तो तुझे व तेरे मम्मी-पापा को जान से मार डालूंगा। तब मैं डर गई थी फिर मैं दिनांक 22 दिसंबर 2018 को जयेश के घर दिन में 1 बजे गई थी वहां जयेश ने मेरे साथ जबरदस्ती करने लगा। मैंने जबरदस्ती करने से मना किया तो जयेश बोला कि, मैं जो कर रहा हूं करने दे नहीं तो तुझे और तेरे मम्मी-पापा को मार डालूंगा और जयेश ने मेरे साथ जबरदस्ती मेरी इच्छा के विरुद्ध बलात्कार किया। इसके बाद मुझे जयेश बार-बार जान से मारने की धमकी देकर उसके घर बुलाता और मेरे घर पर भी आकर मेरा बलात्कार करता था और कहता था कि, किसी को यह बात बताएगी तो जान से मार डालूंगा। एक बार जयेश ने डराने के लिए मेरे मोबाइल से मेरे हाथ में सल्फास की गोली रखकर फोटो खींचकर उसके मोबाइल से भेजा था। मेरी सगाई की बात कोद के जय... पाटीदार से चल रही थी तब जयेश ने मुझे कहा कि, तू शादी कर ले फिर तू तलाक दे देना और मैं भी तलाक दे दूंगा। फिर दिनांक 5 मार्च 2023 को मेरी शादी गांव कोद जिला धार में हुई थी। शादी के बाद भी जयेश मुझे फोन करता था जयेश ने मेरे ऊपर भी दबाव डाला था कि, तू वहां से भी मुझे फोन करती रहना। जयेश करीबन एक-डेढ़ महीने पहले कोद भी आया था और जयेश ने मेरे ऊपर तलाक लेने के लिए भी दबाव बनाया था। दिनांक 10 जून 2023 को मेरे घर, मेरे मम्मी-पापा सारंगी गए थे तब जयेश मेरे घर आया और मेरे साथ बलात्कार किया था और कहा था कि, यह बात किसी को भी बताएगी तो तुझे मार डालूंगा। फिर दिनांक 14 जून 2023 को मैं कोद से वापस मेरे घर आई थी घर आने के बाद भी जयेश ने मुझे कहा कि, मेरे बारे में किसी को कुछ भी बताएगी तो तुझे मार डालूंगा। मैं डर गई थी इसलिए किसी को कुछ नहीं कहा था फिर आज मैंने मेरी मम्मी-पापा के साथ आकर रिपोर्ट दर्ज कर रही हु।

उक्त रिपोर्ट के बाद दोनों सभ्य परिवार के पक्षकार अपने-अपने तर्क देकर चर्चा कर रहे हैं। लेकिन चार समझदारो के बीच चर्चा होती है तो यही कहा जा रहा है कि, बात टोने -टोटके के रूप में खुलासा हुई थी तो उसी के आधार पर सामाजिक रूप से निदान किया जाता तो सही था। गलतियां हो जाती है इससे इंकार नहीं किया जा सकता है और जो रिपोर्ट दर्ज की है वह बात नहीं बनने के कारण कानूनी सहारा लेकर मामला दर्ज करवा दिया है। पर न्यायालय में फैसला क्या आता है यह देखने की बात रहेगी पर न्यायालय भी आपसी सहमति से बने संबंधों पर ध्यान देकर ही अपना फैसला सुनाएगी। यह तय है पर चर्चाओं में यही कहा जा रहा है कि, गलती दोनों की थी तो सजा एक को मिल रही है। यह भी चर्चा है कि, उक्त मामले के बाद हर कोई अचंभित सा है और आगे क्या होता है यह जानने की जिज्ञासा हर किसी में है। वही चर्चाओ के इस दौर में लिखाई गई रिर्पोट पर भी कई तरह की भिन्न- भिन्न चर्चाए की जा रही है।

### जयेश हुआ पेश

लड़की के पिता के अथक प्रयास थे कि, किसी भी स्थिति में जयेश की अग्रिम जमानत न हो जाए। इसके चलते एसपी से लेकर मुख्यमंत्री तक अपनी शिकायत कर जयेश को गिरफ्तार करवाने का प्रयास किया। इसी कड़ी में राजगढ़ में एक रोड शो के दौरान लड़की के पिता ने संक्षिप्त में मुलाकात कर मुख्यमंत्री से शिकायत भी की गई। वही पुलिस के दबाव के चलते जयेश बुधवार को पुलिस थाना थांदला में जाकर स्वयं पेश हुआ। पुलिस ने गिरफ्तारी लेकर न्यायालय में पेश किया, जहां से जयेश को जेल भेज दिया गया। वहीं पुलिस थांदला के लखिया खाली के पास से जयेश को गिरफ्तार करना बता रही है।

**नोटिस के जरिये मानहानी, पंजीयन निरस्ती की धमकी, आपराधिक प्रकरण की धौंस काम ना आएगी**

# प्रमाणिक खबरों के खंडन की उम्मीद बेकार है क्योंकि प्याज में छिलके ही होते है...

माही की गूंज, झाबुआ।

*प्रेस के साथ हमेशा यही होता आया है कि अगर किसी माफिया, दलाल के छिलके प्याज की तरह प्रेस उतारने लगे तो फिर प्रेस को धमकाने के लिए काले कोट का सहारा माफिया अक्सर लेते ही रहे है। उलटा चोर कोतवाल को डांटे की तर्ज पर माफियाओं के नोटिस काले कोट के जरिये प्रेस को धमकाने, डराने, और अखबारों के पंजीयन निरस्त करवाने तक की धमकियां देते रहे है। माही की गूंज के साथ यह कोई पहला मामला नहीं है, मगर इससे पहले जिन्होने भी इस तरह की हरकतें और पंजीयन निरस्ती की धमकियां दी उन्हे मुंह की ही खानी पड़ी है। एक बार फिर स्थितियां इसी मोड़ पर आ गई है। चूंकि गुरू गुण ऐसा डीएनए में है कि, माही की गूंज हमेशा सच को सच और झूठ को झूठ बेबाकी के साथ लिखता रहा है और हमेशा ही लिखता रहेगा। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि माफिया, दलाल कौन है, कितने पैसे वाला है या उसके संरक्षक कौन से राजनीतिक दल से है...? वैसे भी इस दुनिया में खरीदने के लिए बहुत कुछ है मगर सच्चाई को कभी खरीदा, डराया या धमकाया नहीं जा सकता। क्योंकि सच्चाई अपने साथ सारे प्रमाण और साक्ष्य स्वतः ही साथ लिए होती है।*

माही की गूंज पिछले कुछ समाह से लगातार माफिया, दलाल व धोकेबाज गुल्लु के खिलाफ समाचार प्रकाशित कर रहा है। जिसमें सभी खबरें प्रमाणिक तौर पर प्रकाशित हुई है। धोकेबाज की काली करतूतें माही की गूंज ने लगातार बेबाकी से प्रकाशित की है व राजनीतिक संबंधों को भी उजागर किया है। इसके अलावा माफिया गुल्लु के तमाम अवैध धंधों को भी उजागर किया जो अपने रसुक के साथ करता रहा है। गुल्लु के शोषण का शिकार हुई उसकी दूसरी पत्नी की कहानी भी हमने खबर के माध्यम से उजागर की। जिससे झल्लाते हुए माफिया गुल्लु ने अपनी औकात दिखाई और काले कोट के जरिये एक धमकी भरा नोटिस माही की गूंज के प्रधान संपादक को भेजा। जिसका जवाब माही की गूंज सार्वजनिक तौर पर बिंदु वार दे रहा है।

नोटिस के अनुसार बिंदु क्रमांक-1 मे, कालेकोट ने गुल्लु को प्रतिष्ठित, ईमानदार, सम्पन्न और सम्मानित बताया है। यहां यह सवाल पूछना तो बनता ही है कि, आखिर प्रतिष्ठित, ईमानदार और सम्मानित की परिभाषा क्या है...? गुल्लु की इमानदारी का काला चेहरा यह है कि. जो सख्स नेताओं के तलवे चाटकर अवैध धंधे करता हो, नेताओं का संरक्षण प्राप्त कर शासन को करोड़ों रुपये के राजस्व की हानी पहुंचाता हो वो ईमादान कैसे हो सकता है।

जो अपने पूर्वजों द्वारा समाज को दान की गई भूमि पर अपना हक जताता हो वह समाज में किस तरह का सम्माननीय हो सकता है ! दान में दी गई पुस्तैनी जमीन को हथियाने और राजनैतिक संरक्षण प्राप्त करने के लिए जमीन का कुछ हिस्सा घूंस के रुप में अपने आकाओं को देने का लालच देने वाला किस तरह से ईमानदार हो सकता है। जो सख्स लालच में आकर समाज के विरूद्ध खड़ा हो जाए उसकी समाज में कैसी प्रतिष्ठा और कैसा सम्मान...!

जिस व्यक्ति ने झूठ बोलकर और परिवार व समाज से छुपकर दूसरी शादी की हो और मामला उजागर होने तक उस महिला का शोषण किया हो वह ईमानदार कैसे हो सकता है...! जिसने झूठी शादी कर महिला का शोषण किया और उससे एक संतान भी पैदा की हो और बाद में वह उस महिला और बच्चे का हक देने से मुकर गया हो वह ईमानदार व समाज में सम्मानित व्यक्ति कैसे हो सकता है ! सम्पन्न होने के बावजूद न्यायालय को गुमराह कर यह कहना कि, मेरे पास उक्त महिला व बच्चे को देने के लिए कुछ नहीं है, सरासर इसे बेइमानी ही कहेंगे न की इमान्दार। फिर भी इस तरह के व्यक्ति के लिए यह कहा जाना कि, वह समाज में प्रतिष्ठित, ईमानदार, व्यवहार व व्यक्तित्व का अच्छा है, ईमानदारी के मुंह पर खुला तमाचा है।

नोटिस के बिंदु क्रमांक-2 में यह खुले तौर पर लिखा है कि, गुल्लु के राजनैतिक पार्टियों और नेताओं से मधुर संबंध है। माही की गूंज ने भी अपनी खबरों में इसे खुले रूप से प्रमाणिक तौर पर मय तस्वीरों के छापा है। मगर नोटिस में यह नहीं बताया गया कि, उसके राजनीतिक पार्टी से यह मधुर संबंध किस तरह के है, इसकी कोई पुष्टी नोटिस में नहीं है। अगर किसी राजनैतिक पार्टी में इतने मधुर संबंध है तो फिर पार्टी की सदस्यता उसके पास क्यों नहीं है...? या फिर कोई पद क्यों नहीं है। जबकि माही की गूंज मय प्रमाण के यह साबित कर चुका है कि, राजनैतिक पार्टी विशेष से और उसके नेताओं से उसके किस तरह के मधुर संबंध है। इन मधुर संबंधों को पुर्ण रूप से बनाए रखने हेतु वह किस तरह का योगदान देता है। नोटिस में लिखी लाइन को यहां स्पष्ट करते हुए बता दें कि. गुल्लु के सिर्फ राजनैतिक पार्टी विशेष व उसके नेताओं से ही मधुर संबंध है। इसके अलावा तो कोई भी दल गुल्लु को अपने आस-पास भी फटकने ही नहीं देता।

नोटिस के बिंदु क्रमांक-3 के अनुसार, उससे अवैध कार्य तथा रुपयों की मांग हेतु संपर्क किया गया तथा अखबार का संपादक होने की धौंस देकर ब्लेकमेलिंग की कोशिश की गई। पहला तो यह कि किसी की इस तरह की कोई मंशा या डीमांड होती तो खबर प्रकाशन के पहले ही अपनी मंशा जाहिर कर देता। मगर नोटिस में दिया गया आपका यह कथन सफेद झूठ की तरह है। चूंकि अगर माही की गूंज ने माफिया गुल्लु से संपर्क किया या धौंस-दपट-धमकी दी तो उसका किसी तरह का कोई प्रमाण या समय या फिर किसी प्रकार की कोई कॉल डीटेल, कॉल रिकार्डिंग का उल्लेख इस नोटिस में क्यों नहीं दिया गया। जबकि माही की गूंज ने माफिया के खिलाफ छपी पहली ही खबर में एक ऑडियों का क्यूआर कोड प्रकाशित था, जो खुला प्रमाण है कि. किस तरह के लोग अवैध धंधों में संलिप्त है और कितना राजनीतिक संरक्षण माफियाओं को है तथा अवैध धंधों में गुल्लु की क्या भूमिका है!

नोटिस के बिंदू क्रमांक -4 में यह बताया गया कि, बदनाम करने के लिए 8 जून को खबर प्रकाशित की गई। मगर माही की गूंज ने इस मामले में अपनी पहला समाचार 1 जून को ही मय प्रमाण के प्रकाशित किया था, जो प्रमाण अखबार में दिए गए है, वह स्वतः ही इस झूठे नोटिस का खुला प्रमाण और जवाब है।

नोटिस के बिंदू क्रमांक-5 का जवाब भी माही की गूंज के 1 जून के अंक में प्रकाशित खबर के प्रमाण में स्वतः ही साबित होता है कि, आपकी छवि किस प्रकार की है।

नोटिस के बिंदू क्रमांक-6 में यह कहा गया कि, यह खबर जिन व्यक्तियों ने भी पढ़ी उनकी नजरों में मेरी व्यक्तित्व व इज्जत धुमिल हो गई तथा वे मुझे घ्रणित नजर से देखने लगे है। तो यहां बता दें कि, जब तक गुल्लु की कारस्तानियां उजागर नहीं हुई थी, तब तक उसका नकली चेहरा उसे समाज में इज्जत दिलाता रहा, लेकिन माही की गूंज ने अपने समाचारों से उसका असली व काला चेहरा समाज के सामने रखा है। मुखौटा उतरने के बाद असली चेहरा सामने आने से अगर किसी की प्रतिक्रिया बदलती है तो यह एक प्रकृतिक नियम है।

नोटिस के बिंदू क्रमांक 7 में यह बताया गया कि, उसके खिलाफ भ्रामक खबर छापी गई तथा ऐसी खबर छापने का आपको कोई भी विधिक अधिकार नहीं था, ऐसा करके मेरी इज्जत को शहर व आसपास के क्षेत्रों में तथा राजनैतिक पार्टी के कार्यकर्ता तथा नेताओं के समक्ष धुमिल कर दिया है। तो यहां बता दें कि, माही की गूंज ने कभी भी किसी तरह की खबर का प्रकाशन बिना प्रमाण के नहीं किया है। चूंकि मीडिया को देश के लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ माना गया है, तो हमारा यह कर्तव्य है कि, समाज में फैली गंदगी, माफिया राज, शासन के राजस्व को क्षति पहुंचाने वाले व धोकेबाज तथा समाज का शोषण करने वालों को बेनकाब किया जाए। रही बात राजनैतिक पार्टी के नेताओं के समक्ष धुमिल तुम्हारी छवि की, तो उसके जिम्मेदार भी तुम ही हो। क्योंकि जितने अवैध धंधे तुमने किए वे सब नेताओं के नाम पर धौंस देकर ही किए। रही बात स्वास्थ्य कि तो अच्छे कर्म करने वाला व्यक्ति कभी डिप्रेशन में नही आता और जिनके अवैध धंधे, काले कारनामें होते है वे ही डिप्रेशन में रहते है। हालांकि इस आधुनिक युग में इस तरह की बीमारी के बहुत से ईलाज है।

नोटिस के बिंदू क्रमांक-8 अनुसार बताया गया कि, आपने मुझसे दिनांक 17-06-2023 को सम्पर्क किया और यह कहा कि, ÷यदि अब मेरा अवैध काम हेतु सिफारिश नहीं की और मुझे 1 लाख रुपये नहीं दिये तो मैं ऐसी खबर छापता रहूंगा और तूझे कहीं का नही छोड़ूंगा।÷ उक्त बात आपने मिण्डल स्थित तंदूर रेस्टोरेंट के बाहर जब मेरा पक्षकार अपने दोस्त वसीम कुरैशी के साथ मौजूद था, उसके समक्ष कही थी।

यहां नोटिस में 17 जून 2023 को जिस संपर्क की बात की जा रही है, उस संबंध में भी कहीं किसी फोन या मोबाईल नंबर का जिक्र नहीं किया गया। ना ही इस मुलाकात के कोई फोटो या वीडियो है। जिस अवैध काम की सिफारिश की बात कही जा रही है वह अवैध काम क्या था इसका उल्लेख भी नोटिस में नहीं है। 1 लाख की डिमांड का भी कोई प्रमाण या साक्ष्य नहीं है। ग्राम मिंडल के जिस रेस्टोरेंट पर बात करने का आरोप लगाया जा रहा है वह ग्राम मिंडल में मौजूद ही नहीं है। जब ग्राम मिंडल में वह रेस्टोरेंट ही मौजूद नहीं है, तो फिर आप व आपका दोस्त वसीम कुरैशी वहां कैसे मौजूद हो सकते है...?

नोटिस के बिंदू क्रमांक-9 के अनुसार, सहमति के बिना निजता का हनन कर फेसबुक पर पोस्ट फोटो का दुरूपयोग करने का आरोप है। तो इस संबंध में पहले आप यह तय कीजिए कि सोशल मीडिया का मतलब क्या है। यह आपकी जिम्मेदारी है कि, आप उसे सुरक्षित रख पाते है या नहीं....? फेसबुक पर पोस्ट हुई एक तस्वीर हजारों लोगों तक पहुंच जाती है। अपने फोटो खुद के द्वारा सार्वजनिक करने के बाद यह आरोप कतई सही नहीं है कि, फोटो का दुरूपयोग किया गया है। अब यह समझदारी वाली बात है कि, जिस चीज से छवि धुमिल होने की शंका हो तो फिर ऐसे फोटो सोशल मीडिया पर वायरल ही क्यों किया जाए...?

अंत में नोटिस के बिंदू क्रमांक-10 में यह लिखा है कि, जो भी आरोप मुझ पर लगाए है, उस संबंध में आपके पास जो भी साक्ष्य हो उसे 3 दिवस के भीतर पुलिस थाना झाबुआ पर प्रस्तुत करें न प्रस्तुत करने की दशा में यह माना जावेगा कि, आपने मात्र ब्लेकमेलिंग करने तथा छवि को धुमिल करने के लिए खबर प्रकाशित की है।

इसके जवाब में एक कहावत बड़ी प्रचलित है ÷हाथ कंगन को आरसी क्या, पढ़े लिखे को फारसी क्या...?÷ पहले तो यह कि, माही की गूंज ने कभी किसी पर कोई आरोप नहीं लगाए। जो भी खबर प्रकाशित की उसे प्रमाण और साक्ष्य के साथ ही की। माही की गूंज के द्वारा 1 जून 2023 के एडिशन में जो ऑडियो का क्यूआर कोड प्रकाशित किया गया है। इस ऑडियो में वह तमाम साक्ष्य स्वतः ही मौजूद है जो आपके सारे कारनामें उजागर करता है।

रही बात खंडन और लिखित क्षमा याचना मांगने की तो यह जान लें कि, यह तो होने से रहा नहीं। इसके अलावा रही बात मानहानी हेतु न्यायालीन कार्यवाही व ब्लेकमेलिंग हेतु आपराधिक प्रकरण दर्ज करवाने और अखबार का पंजीयन निरस्त करवाने की। तो न्यायालय के दरवाजे सभी के लिए खुले हुए है। माही गूंज अपने आपमें इतना समक्ष तो है ही कि, वह अपने आपको प्रमाण के साथ निर्दोश और विपक्षियों को अपराधी साबित करवा सके। माही की गूंज को धमकी भरे इस तरह के नोटिस से कोई फर्क नही पड़ता। जनहीत में हमारी कलम हमेशा .. हमेशा... और हमेशा... शोषण, भ्रष्टाचार और माफियाओं के खिलाफ निर्भिकता से चलती रही है और आगे भी चलती रहेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422